राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2335
नागायण
रण काण्ड
षष्ठमखण्ड
राज कॉमिक्स विशेषांक
रण काण्ड
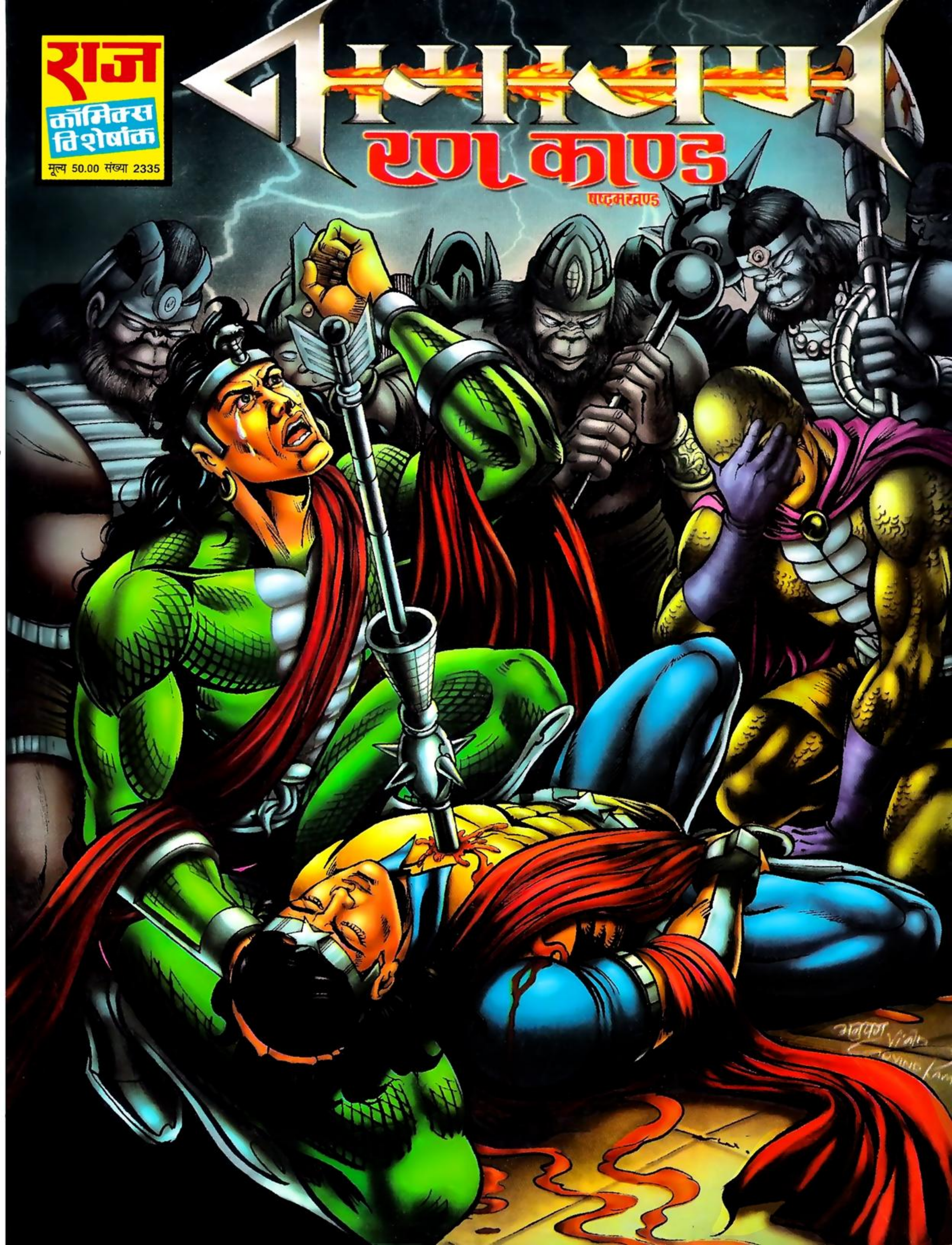
# विश्वरक्षक नागराज के उपलब्ध कॉमिक

## नागराज के 15/- मूल्य वाले कॉमिक

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शांगो
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयंकारी मणि
- शंकर शंहशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज और कालदूत
- नागराज और जादूगर शाकूरा
- नागराज और बौना शैतान
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- नागराज और काबुकी का खजाना
- नागराज और थोडांगा
- नागराज और तूफान-जू
- नागराज और जादू का शहंशाह
- नागराज और अजगर का तूफान
- बकोरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- नागराज और मिस्टर 420
- थोडांगा की मौत
- नागराज और बेमबेम बिगेलो

## नागराज के 20/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- नागराज और नगीना का जाल
- नागराज और नगीना
- नागराज और मिस किलर
- नागराज और तूतेनतू
- नागराज और अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज
- नागराज का अंत
- जहर
- क्राइमकिंग
- विषकन्या
- इच्छाधारी
- नागिन
- राज का राज
- मृत्युदंड
- आतंक
- नहीं बचेगा नागराज
- कालचक्र
- नागराज अमेरिका में
- आतंकवादी नागराज
- विषहीन नागराज
- इच्छाधारी चोर
- लावा
- विनाशलीला
- पागल नागराज
- मसीहा

## नागराज के 30/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और बुगाकू
- फिर आया नागदंत
- विजेता नागराज
- विसर्पी की शादी
- शाकूरा का चक्रव्यूह
- नागपाशा
- खजाना
- स्नेक पार्क
- केंचुली
- प्रलय
- रक्षक नागराज
- जहरीले
- बांबी
- सपेरा
- फन
- विष-अमृत
- सम्मोहन
- नागराज और ड्रैकुला
- नागद्वीप
- त्रिफना
- महायुद्ध
- अग्रज
- नागराज का कहर
- तांडव
- दुश्मन नागराज
- शक्तिहीन नागराज
- कुंडली
- ऐलान-ए-जंग
- काली मौत
- सो जा नागराज
- शेषनाग
- भानूमति का पिटारा
- हरी मौत
- जहरीला बारूद
- माम्बर
- न्यूमेरो ऊनो
- ऑप्रेशन सर्जरी
- मिशन क्रिटिकल
- तीन सिक्के
- जंग मौत तक

## नागराज के 40/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- राजनगर की तबाही
- कोहराम
- कयामत
- जलजला
- विध्वंस
- संग्राम
- परकाले
- संहार
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- खलनायक
- सम्राट
- विनाश
- तानाशाह
- सूरमा
- कलियुग
- सौडांगी
- सर्वशक्तिमान
- चक्र
- मैडूयुसा
- छोटा नागराज
- शेषनाग
- नागाधीश
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- फुंकार
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड

## नागराज के 50/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- दहन काण्ड

## इसी सैट के कॉमिक

- ✣ रण काण्ड (नागराज एवं ध्रुव का टू इन वन विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- ✪ प्रेम नाखून (भेड़िया का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ स्टील का आदमी (इंस्पेक्टर स्टील का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ आत्मा निवास (थ्रिल हॉरर का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ ब्लैक कम्प्यूटर (फाइटर टोड्स का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ▲ शनि रत्न (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य :20/-)

प्रकाशकः राज कामिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084
फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

आप 100/- रुपए मूल्य या इससे अधिक मूल्य की कॉमिकें डाक द्वारा अग्रिम भुगतान भेजकर मंगा सकते हैं। अग्रिम भुगतान निम्नलिखित दो तरीकों से भेजा जा सकता है।

1. निकटवर्ती पोस्ट ऑफिस से अपने आदेशित कॉमिकों के मूल्य का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के नाम बनवाकर, मनीआर्डर फार्म के संदेश वाले स्थान पर आदेशित पुस्तकों के नाम व अपना पता साफ-साफ लिखकर भेजें।
2. किसी भी बैंक से राजा पॉकेट बुक्स के नाम Payable at Delhi का ड्राफ्ट बनवाकर पत्र के साथ भेजें, जिसमें आपकी आदेशित पुस्तकों के नाम व आपका पता साफ-साफ लिखा होना आवश्यक है।

## आगामी सैट के कॉमिक

- ✣ समर काण्ड (नागराज एवं ध्रुव का टू इन वन विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- ✪ प्रेम हिरण (भेड़िया का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ परमात्मा (परमाणु का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ सिण्ड्रैला (भोकाल का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ भूत किसमें (थ्रिल हॉरर का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ▲ पीछे पड़ा पंचक (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य :20/-)

दिल्ली में वितरक :नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

नागायण
पञ्चम खण्ड
॥ रण काण्ड ॥

वरण काण्ड, ग्रहण काण्ड, हरण काण्ड, शरण काण्ड और दहन काण्ड संक्षेप में–
पृथ्वी, सन् 2025 में अत्यंत विकसित हो चुकी है। आज के मानव के पास हजारों सुविधाएं हैं। नई तकनीकों ने मानव जीवन अत्यंत सुगम बना दिया है। देशों के बीच अब सीमाएं खत्म हो चुकी हैं। सारी दुनिया शांति और भाईचारे से जीवन व्यतीत कर रही है। सेनाओं की कोई आवश्यकता ही नहीं रह गई है। ब्रह्मांड रक्षक नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव रिटायर्ड सा जीवनयापन कर रहे हैं। लेकिन ऐसा राम राज्य शैतान को मंजूर नहीं था। पृथ्वी पर आ गया ब्लैक पॉवर्स का बादशाह काल छिद्र।

काल छिद्र ने किया क्रूरपाशा पर कब्जा और क्रूरपाशा ने काल छिद्र की ब्लैक पॉवर्स के साथ किया पूरी पृथ्वी पर कब्जा करने के लिए आक्रमण। आज वो आक्रमण अपने चरम पर है। पूरा विश्व इस परम युद्ध की आग में जल रहा है। मानव त्राहि-त्राहि कर उठा है। अब मानवता को कोई बचा सकता है तो वो हैं नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव

जब जब पाप धरा पर आई। कथा जाई पुनि पुनि दोहराई।।

संजय गुप्ता की पेशकश!
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
प्रथम अध्याय
अग्नि परीक्षा
कथा : अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार, जगदीश कुमार, विनीत सिद्धार्थ
सुलेख : सुनील कुमार पाण्डेय
इफेक्ट्स : जॉन पॉलोस
सम्पादक : मनीष गुप्ता
सह सम्पादक : मंदार गंगेले

निर्णय की घड़ी एकदम पास आ चुकी है, क्रूरपाशा! अब तेरा एक ही तगड़ा वार श्वेत शक्तियों की कमर को हमेशा के लिए तोड़ देगा!
और फिर बनेगा एक नया डार्क-यूनिवर्स! काला ब्रह्मांड! जिसके ब्रह्मा, विष्णु, महेश होंगे हम, और इन्द्र होगा तू!
ऐसा ही होगा!
हमारे लिए मुख्य खतरा सिद्ध हो सकने वाली शक्ति पहले से ही हमारी तरफ हो चुकी है! नगीना नाम का खतरा हमेशा के लिए मिट चुका है!
और जिन यतियों के दम पर नागराज मुझसे टक्कर लेने की सोच रहा है, वो भी मेरे ही चेले हैं!
श्वेत शक्तियों की कमर तो पहले ही टूट चुकी है! बस उनको इस बात का एहसास कराना बाकी बचा है!
अगर ऐसा ही है तो फिर वह यति अलंध्या में विनाश क्यों फैला रहा है? वह तेरे काबू में क्यों नहीं है?
GB

ये मेरे लिए भी एक रहस्य है, कालछिद्र! मेरी आज्ञा के बगैर एक यति अलंध्या में घुसा कैसे?
पता करो! उस यति को जिन्दा पकड़ो! हमको किसी भी कीमत पर यतियों की सच्चाई का पता चलना ही चाहिए!
"...अलंध्या की तरफ बढ़ने वाली छोटी से छोटी शक्ति को भी मैंने कुचल डालने का इंतजाम कर दिया है-"
हमेशा याद रखना! ज्यादातर युद्धों में हार का कारण बड़ी शक्तियां नहीं, छोटी शक्तियां होती हैं। उनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए!
मैंने कुछ भी नजरअंदाज नहीं किया है, महाकालछिद्र...
अरे! तुम्हारा दुपट्टा तुम्हारे पास वापस कैसे आ गया?
ये दिव्यास्त्रों से भरा दुपट्टा है! इसको संभालने की शक्ति घनघोर के पास नहीं है!
तो फिर दिव्यास्त्रों का यूज करो! इनका प्रयोग हमारे मरने के बाद करोगे क्या?
कोई नहीं मरेगा कमांडर! बिलीव मी! और दिव्यास्त्र घनघोर पर असर करेंगे, इसमें मुझे शक है! वैसे भी दिव्यास्त्रों को मैं ब्लैक पॉवर्स के लिए बचाकर रखना चाहता हूं!
फिर इसे खत्म कैसे करोगे? बादल को तो हमारा कोई भी हथियार खत्म नहीं कर सकता!
बादल एक ही तरह से खत्म होता है, कमांडर!
वह कैसे?
7

ध्रुव! कहां जा रहे हो? जवाब तो देते जाओ!
सर! ध्रुव पागल हो गया है! वह एक प्लेन लेकर बादलों की तरफ जा रहा है!
यानी घनघोर की तरफ! सिर्फ एक फाइटर प्लेन लेकर! यह पागलपन तो है, पर इतना सीरियस भी नहीं है!
वह गलती से वह प्लेन लेकर चला गया है जिसका यूज हम बड़ी आग को बुझाने के लिए करते हैं!
ओ गॉड! उस प्लेन में तो कोई हथियार नहीं है! सिर्फ 'ड्राई आइस' यानी सॉलिड CO2 भरी हुई है! जिसका काम आग बुझाना है, लगाना नहीं!
मुझे ट्रांसमीटर दो!
ध्रुव! तुम गलती से...
हां, तो कमांडर मैं बता रहा था कि बादल सिर्फ एक ही तरीके से खत्म होते हैं!
बरस कर!
लेकिन बादल अपने आप बरसेंगे कैसे?
तुमको याद होगा कि बीसवीं शताब्दी के अंत में रूस के चेर्नोबिल शहर में एक न्यूक्लियर पॉवर प्लांट फट गया था! उस वक्त उसके ऊपर छाए बादल तक रेडियो एक्टिव हो गए थे, और वे रूस की राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे!
पर कैसे?
उन पर ड्राई आइस यानी सॉलिड कॉर्बन डाई ऑक्साइड छिड़ककर!
उस वक्त रूस के लड़ाकू जहाजों ने उन बादलों के ऊपर उड़ान भरी और उनको एक उजाड़ स्थान पर बरसा दिया!
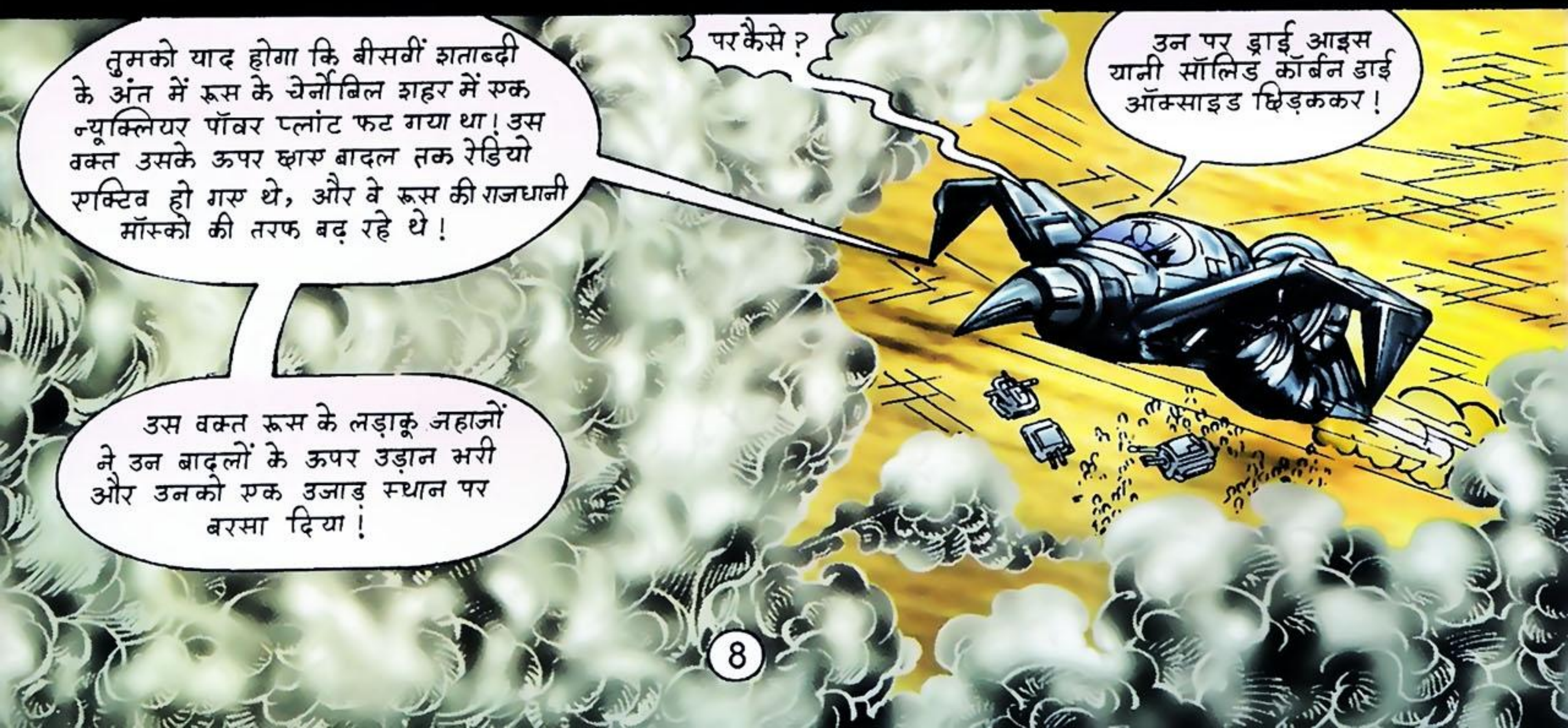
वही जो
इस प्लेन में
भरी है!
ड्राई आइस के क्रिस्टल, पानी की बूंदों को मिलाकर बड़ा करने लगे-
और वे बूंदे जमीन पर बरसने लगीं -
कमाल है। मैं तो समझता था कि ड्राई आइस सिर्फ आग बुझाने के काम में आती है!
पर ये तो दुश्मन को हराने के काम में भी आती है!
कमाल है ध्रुव! यानी... यानी हम भी बिना किसी सुपर पॉवर के ब्लैक पॉवर्स को हरा सकते हैं!
हम मानव भी किसी से कम नहीं हैं!
बिल्कुल नहीं कमांडर!
और हमको यही साबित करना था!
साबित! यानी ये किसी किस्म का कोई टेस्ट था क्या?
तुम हर बात को पहले से ही कैसे भांप जाते हो ध्रुव?

हमने कोशिश तो बहुत की थी कि तुममें से किसी को भी इस टेस्ट की भनक तक न लग पाए।
ये... ये क्या चीज है? और ये हवा को चीरकर कैसे निकल रहा है?
ये देवजाति की तकनीक है, कमांडर! जो विज्ञान में हमसे हजारों वर्ष आगे हैं!
और ये देवाशीष है। देवों द्वारा बनाया गया एक अद्भुत रोबॉट जो धातु से नहीं, बल्कि जीवित सैलों से बना है!
बस इसमें ब्रेन की जगह एक क्रांतिकारी हाइपर प्रोसेसर फिट है!
तुम हमको बेवकूफ बना रहे हो! है न? ऐसा कभी हो सकता है?
खैर छोड़ो! ये बताओ कि तुमने ये कैसे समझा कि घनघोर असली ब्लैक पॉवर नहीं, बल्कि टेस्टिंग के लिए भेजी गई एक देवशक्ति है!
जैसे इंसान अपनी चाल और आदतें नहीं छुपा सकता वैसे ही रोबॉट अपनी प्रोग्रामिंग नहीं छुपा सकता! और तुम्हारी प्रोग्रामिंग में किसी भी जीवित वस्तु की जान न लेना शामिल है! घनघोर तोड़-फोड़ तो भयंकर रूप से कर रहा था, पर आश्चर्यजनक रूप से न तो किसी इंसान को चोट लग रही थी और न ही किसी की जान को कोई खतरा था!
अब ब्लैक पॉवर्स से तो मुझे इतनी दया की उम्मीद नहीं है!
सही बात है! अच्छे आदमी जल्दी पकड़े जाते हैं!
इस बात को मैं अपनी प्रोग्रामिंग में नोट कर लूंगा!
बाद में करते रहना!
फिलहाल तो ये बताओ कि देवों को मानवों का टेस्ट लेने की क्या जरूरत पड़ गई?

तुम लोगों की अपनी सुरक्षा के लिए!
तुम लोगों पर नजर रखने के लिए हमने घनघोर को शुरू से ही तुम्हारे पीछे... यानी ऊपर लगा रखा था!
और जैसे ही हमको पता चला कि मानवों की ये कच्ची-पक्की सेना अलंध्या में प्रवेश करने का रास्ता ढूंढ़ रही है और सफल भी होने वाली है, तो हमने घनघोर को तुम पर हमला करने का आदेश दिया!
अगर तुम घनघोर को हरा देते तो यह सिद्ध हो जाता कि तुम ब्लैक पॉवर्स को भी टक्कर दे सकते हो!
और ये तुमने कर दिखाया!
अब मैं ढूंढूंगा तुम्हारे लिए अलंध्या जाने का रास्ता!
देवाशीष की मैग्नेटिक तरंगें हवा में फैलने लगीं-
अरे! वो देखो! हवा में एक छेद बन रहा है! कमाल है!
हैं? ये कमाल मेरा नहीं है! इसका और ही कारण है!
इसका कारण मैं हूं! काल सुरसा!
मेरा मुंह काल का मुख है! और इसका विस्तार अनन्त है! पूरे ब्रह्मांड को निगल सकती है, काल सुरसा!
और जो मेरे मुंह में गया वह सीधे नर्क में ही निकलता है!
ये तो ब्लैक पॉवर लगती है!
देखा! मैं कह रहा था न ये मैंने नहीं किया!
अब ये टेस्ट नहीं है ध्रुव! पूरा एग्जाम है!
यह ध्रुव की परीक्षा थी-

और अलंध्या में जो हो रहा था, वह ब्लैक पॉवर्स की परीक्षा थी-
जिंगालू ने जानबूझकर ब्लैक आर्मी को चुनौती दी थी-
पर वह शायद इसका अंजाम नहीं जानता था-
द्वितीय अध्याय
भूमिका
टारगेट लॉक्ड ! अब ये बच नहीं सकता! इसको 'लेजर-पिलर' से उड़ा दो !
उई, उई! उईऽऽऽ
अरे! ये फट क्यों नहीं रहा है? गुब्बारे की तरह फूलता क्यों जा रहा है?
ऐसा लगता है जैसे कि ये लेजर एनर्जी को वैसे ही पी रहा है जैसे हवा का गुब्बारा!

मुझे तो लगता है कि अब ये फटने वाला है!
फटने वाला मैं नहीं...
... तुम हो!
फ़ऊऊ
विश्वास नहीं होता!
ये यति तो उस एनर्जी से कुल्ला करता है जिसके दम पर हम इसको फ्राई करने की सोच रहे थे!
मैं तो भागा...
आऽऽऽह!
कुछ गड़बड़ है! कहीं यति मुझसे धोखा तो नहीं कर रहे हैं?
ये जानना ही होगा और इसके लिए मुझे इस यति को जिन्दा पकड़ना होगा!
यूथपति बांबो!
उस यति को जिन्दा पकड़ कर मेरे सामने लाओ!
जरूरत पड़े तो ब्लैक फोर्स पॉवर का इस्तेमाल करो

कुछ ही मिनटों में
जिंगालू ब्लैक फोर्स की
स्कवाड्रन से घिर चुका था-
और इस बार हथियार
लेसर गन नहीं थे-
इस बार तो हमला भी
ज़ोरदार है और हथियार भी!
और मुझे ये पता नहीं है कि
इसका असर मुझ पर क्या होगा?

असर जानने के लिए जिंगालू को ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा-
अरे! यह काली एनर्जी तो मेरे बदन पर काली च्यूइंगम की तरह चिपक गई है!
कम्बख्त टूटने के बजाय रबर बैंड की तरह खिंच भी रही है!...
...और टाईट भी होती जा रही है!
बस कर भाई! और टाईट मत कर!
बदन को गेंद बनाकर छोड़ेगा क्या?
मिशन सक्सेस, यूथपति! यति हमारी कैद में है!
हम उसे लेकर आ रहे हैं!
ओफ्! इन्होंने तो मुझे बड़ी आसानी से पकड़ लिया! इज्जत का फालूदा कर दिया!
अपने को तो इस चीज की आदत है!
पर इस वक्त मैं नागराज का दूत हूं! मेरी बेइज्जती, नागराज की बेइज्जती है...
... और मेरे जीते जी नागराज की शान में बट्टा लगे...

ये मैं...
...सहन नहीं कर सकता!
जाल को न टूटना था और न ही वह टूटा –
लेकिन जाल को बांधकर रखने वाले कोने जरूर टूट गए –
...अगली बार ये बिल्डिंगें उखाड़ेगा! ये बहुत खतरनाक यति है! कुछ करिए!
ये यति हमारे बस का नहीं है यूथपति...
...अभी तो इसने सिर्फ एक टॉवर उखाड़ा है...
यूथपति!

मैं अभी स्वयं जाता हूं स्वामी! और अपने साथ ऐसी शक्तियों को लेकर आऊंगा जो दो ग्रहों तक को आपस में टकराने की क्षमता रखती हैं!
जल्दी आओ!
मुझे उस यति के हर रहस्य को जानना है!
कोई फायदा नहीं होगा! ये यति आप लोगों के कब्जे में आने वाला नहीं है!
मेरी शक्तियां बता रही हैं कि ये वो नहीं हैं जो नजर आ रहा है!
फिर कौन है ये?
"ये तो इसे पकड़ने के बाद ही पता चल सकता है-"
"लेकिन तुम्हारे अनुसार जब हम इसे पकड़ ही नहीं सकते तो फिर इसको पकड़ेगा कौन?"
"मैं-"
वहीं पर रुक जा यति बहुरूपिए! और तुरन्त अपने असली रूप में आ!
वर्ना ऐसा वार करूंगा कि हमेशा के लिए यति ही बनकर रह जाएगा!
ये कैसी धमकी हुई! मुझे आदमी बनाने की धमकी देते तो शायद मैं डर भी जाता! पर तू है कौन? तू ब्लैक पॉवर तो नहीं लगता है?
मैं वह शक्ति हूं जिससे ब्लैक पॉवर भी बचकर गुजरती है!
मैं नागशक्ति धारक हूं और अलंदयों का युवराज हूं!

वाह वाह वाह! क्या किस्मत पाई है मैंने! सीधे युवराज से सामना हो गया! दरअसल मैं अलंध्या में स्थित उस 'शक्ति केन्द्र' को ढूंढ रहा था जहां से आप लोग पूरे ब्रह्मांड में कहर बरसा रहे थे! ताकि मैं उसे नष्ट कर सकूं!
आपको तो पता ही होगा कि वह 'शक्ति केन्द्र' कहां पर है?
तेरी हिम्मत कैसे हुई मुझसे ऐसा सवाल करने की?
जवाब न देना हो तो सब ऐसे ही भड़कते हैं!
वो... दरअसल मुझे यहां का युवराज बने कुछ ही घंटे हुए हैं!
धीरे-धीरे मुझे सब पता चल जाएगा!
ऐसा युवराज? तब तो बेड़ागर्क है भई अलंध्या का!
मुझे बातों में उलझाने की कोशिश मत कर बहुरूपिए! बता कि तू कौन है और किस मकसद से यहां आया है?
लो! अभी तो बताया!
भई, मैं एक यति हूं और अलंध्या में शैतानी शक्तियों का शक्ति केन्द्र तोड़ने आया हूं। सिम्पल!
तू ऐसे नहीं मानेगा! तेरी जबान अब पिताश्री ही खुलवाएंगे!
पिताश्री? यानी क्रूरपाशा जी!
भई उनको बता दो कि लोग मेरी जबान बंद करवाने की कोशिश करते हैं!
खुलवाने की नहीं!
क्योंकि मेरी जबान तो चलती रहती है!
वैसे भी मेरी जबान पेंच से फिट नहीं है जो किसी के पिताश्री उसे खुलवा ssss
फश
यम

अब तू एक गूंगा बुत बन गया है! अब तू पहले पिताजी के सामने अपनी जुबान खोलेगा!
और फिर मैं तुझे फिर से ऐसा ही बुत बना दूंगा! और अलंघ्या के मुख्य चौराहे पर लगवा दूंगा!
ताकि अलंघ्या वासी अपने युवराज की शक्तियों को रोज देखें और रोज मेरी प्रशंसा करें!

निर्णय की घड़ी शायद नजदीक आ रही थी-
क्योंकि हर जगह घटनाक्रम तेजी से घूम रहा था-
तृतीय अध्याय
घात-प्रति-घात
पूरे घर में पांच-पांच फुट पानी भर गया है!
जरूर तूने नल खुला छोड़ दिया होगा!
जब से नल का आविष्कार हुआ है तब से तुम औरतों की यही आदत है!
नल बंद है!
फिर ये पानी कहां से आ रहा है? हम तो पच्चीसवीं मंजिल पर रहते हैं!
आलसी इंसान बाहर गया होता तो तुझे पता चल जाता! पूरा महानगर ढाईसौ फुट से ज्यादा गहरे पानी में डूबा हुआ है!
पानी और बढ़ रहा है!
हे भगवान! ऐसे तो मैं एक घंटे में डूब जाऊंगा!
और मेरा फेवरेट टी.वी. शो मिस हो जाएगा!
तुम आलसी के साथ-साथ मूर्ख भी हो! सारे टी.वी. चैनल्स बन्द हैं! क्योंकि सारे ट्रांसमिशन जाम हो चुके हैं!
प्रलय का नजारा देख रहे हो! तुम इस प्रलय से बच सकते हो! बड़ी आसानी से!
बस हमारी सत्ता स्वीकार लो और भीरूपाशा की भक्ति करो!
पानी उतरना शुरू हो जाएगा!
बोलो भीरूपाशा की जय हो! सम्राट रोबो अमर रहें!
भीरूपाशा की जय हो!
सम्राट रोबो अमर रहें!
भीरूपाशा हमारी रक्षा करो!
सम्राट रोबो हमें बचाओ!
इस प्रलय को रोको!
20

आऽऽऽहा! ये... ये क्या हो रहा है? मुझे अपने शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता महसूस हो रहा है!
ऐसा लग रहा है जैसे अब मैं क्रूरपाशा का भी सामना कर सकता हूं! पर ये हो क्यों रहा है?
मैं... मैं ये पूछूं किससे? अब तो नगीना भी मेरे पास नहीं है!
नगीना तुम्हारे पास ही है, भीरूपाशा!
बस अब मैं तंत्र रूप में हूं!
इस रूप में मैं फिलहाल तुम्हारे लिए कुछ भी नहीं कर सकती! पर आवाज के माध्यम से सलाह जरूर दे सकती हूं!
तुम्हारे अंदर दौड़ रही ऊर्जा मानवों की भक्ति की शक्ति है! रोबो ने उन पर इतने कहर ढाए हैं कि वे तुम्हारी जय-जयकार कर रहे हैं!
और... और ये सब तुमने किया मेरे लिए!
तेरे लिए नहीं मूर्ख किया तो अपने लिया था! पर अब मेरा मकसद बदल गया है! पहले ये मकसद मेरा अपना फायदा था अब ये क्रूरपाशा का नुकसान है!
भीरूपाशा! पॉवर चाहे ब्लैक हो या श्वेत, उसको एक काबिल शासक चाहिए! और वह काबिल शासक तुम हो! क्रूरपाशा नहीं!
अभी देखते जाओ कि आगे-आगे कैसे चमत्कार होते हैं!
मैं तुमको इस नई दुनिया का भगवान बना दूंगी, भीरूपाशा!
इस खेल में हर खिलाड़ी अपना फायदा देख रहा था -
ये आप क्या कर रहे हैं, ग्रैंडमास्टर?
क्या आप भक्ति की शक्ति को नहीं जानते?
सारा काम करें हम, और मलाई खाए भीरूपाशा!
हर प्रोजेक्ट के लिए कोई न कोई स्पांसर तो चाहिए ही होता है!
अभी हम उसकी हर तरह की मदद करेंगे!
और उसके बाद तो तू जानता ही है कि भगवानों को धोखा देने में हम इंसान कितने माहिर हैं!
लेकिन कोई भी खेल एकतरफा नहीं होता -

नागराज और ध्रुव, बेबसों को बचाने के लिए वहां पर मौजूद नहीं थे-
लेकिन बाबा गोरखनाथ को इस बात का आभास बहुत पहले ही गया था-
इसीलिए उन्होंने नताशा को रोबो के किले में सेंध लगाने के लिए भेजा था-
और धनंजय को अंडरग्राउंड सिटीज की सुरक्षा की जिम्मेदारी दे रखी थी-
क्या तुमको पूरा यकीन है कि तुम्हारी 'हाइब्रिड शक्तियां' रोबो के इस प्लान को फेल कर पाएंगी ?
हां ! क्योंकि अगर तुम असफल हुए तो भीरूपाशा की शक्ति और बढ़ जाएगी, और तब शायद उसको रोकना लगभग असंभव हो जाएगा !
डोंट वरी धनंजय सर ! वे गुंडे तो मेरी किसी भी द्रव में घुल सकने की शक्ति देखकर ही बेहोश हो जाएंगे !
उनको बेहोश करने के लिए तेरी असली सूरत ही काफी है, डिसॉल्वी !
पर उससे काम नहीं चला तो भी मेरी 'टेरा पॉवर' उनके हर वार का रास्ता रोक लेगी !
विजयी होकर लौटना, डिसॉल्वी और टेरॉर !
अब तुम दोनों को राजनगर जाना है, बबल्स और गुरू ! तुम दोनों की शक्तियां वहां की मुसीबत से निपटने में मददगार सिद्ध होंगी !
वहां पर कैसी मुसीबत आई है सर ?

" रोबो के आदमियों ने सिटी को फ्रेश एयर सप्लाई करने वाले पंप बन्द कर दिए हैं! और गन्दी हवा को बाहर निकालने वाले वैक्यूम पम्प चालू कर दिए हैं- "
" इससे राजनगर में ऑक्सीजन की भी कमी हो गई है और हवा के प्रेशर की भी- "
" और इस कारण राजनगर के लोगों का दम घुट रहा है और वे विवश होकर रोबो और भीरूपाशा की जय-जयकार कर रहे हैं- "
" अब नहीं करेंगे सर! क्योंकि अब राजनगर वासियों का दम नहीं घुटेगा- "
" अब दम घुटेगा, रोबो के गुंडों का- "
" और भीरूपाशा की बढ़ती शक्ति का- "

बाबा गोरखनाथ की दूरगामी सोच इस वक्त बहुत काम आ रही थी-
राजनगर की तरह महानगर और अन्य अंडरग्राउंड सिटीज में भी 'ब्लैक टर्मिनेटर्स' के ग्रुप्स रोबो के आदमियों से लोहा ले रहे थे-
ये भीरूपाशा जैसी शक्तियों को और शक्तिशाली न होने देने की दिशा में पहला कदम था-
और ये कदम कारगर सिद्ध हो रहा था-
अलंध्या पर अब दो तरफ से वार किए जा रहे थे! बाहर से मिलने वाली भक्ति की शक्ति बंद हो रही थी-
और अंदर से अलंध्या को कमजोर करने के लिए एक अद्भुत शक्ति वहां पर मौजूद थी-
कुछ घंटे वाले युवराज जी...
हैं!
...आप आगे चलें, मैं अभी आता हूं!
मुझे कुछ इमारतों की डिजाइनें पसन्द नहीं आ रही हैं!
उनको चेंज करना है!
ओह! तुझ पर नागवार का असर नहीं हुआ?
पर कैसे?

मेरी मर्जी है युवराज जी।
मैं चाहे ये करूं, मैं चाहूं वो करूं, मेरी मर्जी!
मैं जिस शक्ति को चाहे मानूं, जिसको चाहे न मानूं!
...मेरी मर्जी चलेगी!
इस मुष्ठि गधा से तो देव भी नहीं छूट सकते!
मैं तेरे बदन में सिर्फ एक ही चीज सलामत छोड़ूंगा!
मैं समझ गया!
वानर हठ! पर अब तेरी नहीं...
तेरी जबान!
कड़
कड़
कड़
आऽऽऽह! ये तो सचमुच मेरी कमर का कनेक्शन मेरे पैरों से काट देने पर उतारू है!
कुछ करना होगा!
नया!
इनोवेटिव!

अरे! अरे! ये...ये मेरी मुट्ठी से छूट क्यों रहा है? इस पकड़ से तो कोई बाहर नहीं निकल सकता!
और मैंने अपने शरीर को जिस चीज का बना लिया है, उसको ब्रह्मांड की कोई भी ताकत कस-कर पकड़ नहीं सकती!
सच में? लेकिन ऐसी कौन सी चीज है?
हर नहाने वाला इंसान इसका नाम जानता है!
गीला साबुन!
बस! बहुत हो गया यति!
अब देख कि मैं तेरा क्या हाल करता हूं!
अब मैं तुझे...

...इसी तरह से हवा में उड़ाता हुआ पिताश्री के पास ले जाऊंगा!
धड़ाााााम
आऽऽऽह! मैं जानता हूं कि ये नागशक्ति का युवराज विषांक है और इसकी शक्तियों की सीमा कहां है ये शायद खुद भी नहीं जानता!
ये अपनी शक्तियों का स्तर बढ़ा रहा है! मुझे भी ऐसा ही करना पड़ेगा! पर ऐसे में कब तक इसका मुकाबला कर पाऊंगा ये कहना मुश्किल है!
कोई ऐसा रास्ता निकालना होगा जिससे कि ये लड़ाई लम्बी न खिंचे और मैं जीत...
अरे नहीं! मेरी जीत तो इससे हारने में ही है! क्योंकि ये मुझे ब्लैक पॉवर्स के स्वामी तक ले जा रहा है! और जहां पर स्वामी होगा, वहीं पर ब्लैक पॉवर का केन्द्र भी होगा!
ये तो मुझे वहीं पहुंचा रहा है जहां पर मुझे जाना है!
अब पिटता रह और चलता रह जिंगालू! आह!

कहीं चुनौतियां सिर झुका रही थीं! तो कहीं पर चुनौतियां सिर उठा रही थीं-
चतुर्थ अध्याय
ममी
ये... ये श्वेता की कातिल है! पर ये ममी है कौन? मैं इस दुनिया की हर जेल में बंद हर बड़े अपराधी को जानती हूं! पर इसका नाम मैंने कभी नहीं सुना!
इसका असली नाम पामी हरिकेन है! अब कुछ याद आया?
पामी हरिकेन! इससे बड़ी महिला अपराधी तो आज तक पैदा नहीं हुई!
सिवाय तुम्हारे!
वो तो पुरानी बात है! लेकिन श्वेता की मौत तो एक हादसा थी! उसमें जेल में बंद एक अपराधी का भला क्या रोल था?
वह हादसा जरूर था! पर उस हादसे का कारण थी... ये ममी!
"मुझे आज भी वह दिन ऐसे याद है जैसे वह कल का दिन था-"
"श्वेता मुझे किसी खास शख्स से मिलवाने ले जा रही थी! और मुझे डॉक्टर के पास भी जाना था! समय कम था-"
"इसीलिए श्वेता ने एक ऐसा शॉर्टकट लिया जो सुनसान रहता था! क्योंकि पहाड़ियों के बीच से गुजरने वाली उस टूटी-फूटी सड़क पर कई हादसे हो चुके थे-"
"और सड़क के बीचोबीच गिरी वह लड़की हमको इसकी याद दिला रही थी-"

ओ माई गॉड!
चादर से ढकी एक लड़की! जरूर सुनसान सड़क का फायदा उठाकर कोई अपराधी इसको यहां पर फेंक गया है! पर ये जिन्दा भी है या...
मैं देखती हूं!
अरे! अगर ये जिन्दा हुई तो हम पहले डॉक्टर के पास चलेंगे!
चक्कर में मत पड़ श्वेता! लेट हो जाएंगे! पुलिस को फोन कर दे!
वे दो मिनट में यहां पर आ जाएंगे!
ले, मैंने नंबर भी लगा दिया है!
हैलो! हेल्लो! क्या तुम ठीक हो! बोल सकती हो?
बोल सकती हूं!
गाड़ी में बैठो!
व्हाट द शिट!
तुम्हारे बदन पर तो... जेल के कपड़े हैं! तुम जेल से भागी हुई हो!
वेरी इंटेलिजेंट!
अब चलो!
तुम दोनों मुझे शहर से बाहर पहुंचाओगी! वर्ना मैं तुम दोनों का सिर फोड़ दूंगी!
इस गन से!
तुम... तुम मुझे पहचानती हो? पर कैसे?
सिर तो जरूर फूटेगा, पामी! पर हमारा नहीं...
...तुम्हारा!

जेल में रहकर याददाश्त कमजोर हो गई है क्या? इंसान एक बार अपनी शक्ल भूल सकता है! पर मेरी नहीं!
ये... ये तो नताशा कहती थी!
ग्रामर सुधारो! ये नताशा कहती थी नहीं! ये नताशा कह रही है!
नताशा!
पहचान लिया! तेरी जिन्दगी बच गई!
अब कार से उतर और भागना शुरू कर! पुलिस तेरे पीछे आती ही होगी!
मैंने फोन कर दिया है! देख! फोन अभी भी चालू है!
तूने ही मुझे जेल पहुंचाया था! तेरी ही एक रिपोर्ट के कारण पुलिस मेरे पीछे पड़ी थी! अब दूसरी बार भी तेरे ही कारण पुलिस फोर्स मेरे पीछे पड़ी है!
ऐसा करेगी तो मेरा बाप तुझे जिन्दा नहीं छोड़ेगा!
मैं तुझे जिन्दा नहीं छोड़ूंगी!
मुझे जेल से उसी ने छुड़ाया है। अपने किसी काम के लिए!
और मुझे वह तब मारेगा जब उसे पता चलेगा कि मैंने तुझे मारा है!
धड़ाक
"बस! आखिरी बार श्वेता की आवाज मैंने तभी सुनी थी-"
नताशा!

" न जाने कितनी देर तक मैं उस अंधेरे के सागर में डूबी रही-"
" पर जब मेरी आंखें खुलीं-"
" तो मेरी जिन्दगी का एक हिस्सा हमेशा के लिए अंधेरे में डूब चुका था-"
" कार खाई में खतरनाक रूप से लटकी हुई थी! और उस जलती हुई कार के अन्दर मैं ड्राइविंग सीट पर बेहोश पड़ी श्वेता को सिर्फ देख सकती थी-"
" और फिर मेरे देखते-देखते कार, उस खाई का अन्त ढूंढने के लिए चल चुकी थी-"
अन्तिम क्रियाकर्म के लिए हमको श्वेता का पूरा शरीर तक नहीं मिल पाया!
पर ये जरूर पता चला कि उस खाई से थोड़ी दूर पर पुलिस को बुरी तरह जल चुकी पॉमी भी मिली थी!
ये जरूर श्वेता को भी बेहोश करके कार से बाहर कूद गई होगी और कार किसी चीज से टकराकर खाई में गिर गई होगी!
लेकिन उस दिन सिर्फ श्वेता की ही नहीं, दो और मौतें भी हुई थीं!
दूसरी मौत मेरे कोख में पल रहे बच्चे की थी!
और तीसरी मौत मेरे मातृत्व की थी! उस एक्सीडेंट के बाद मैंने अपना मां बनने का हक खो दिया!

तब तो मम्मी को अपनी गलतियों का हिसाब चुकाना ही पड़ेगा!
एक मिनट! मुझे पता नहीं कि तुम क्या कह रही हो! मुझे ऐसे किसी हादसे के बारे में कुछ याद नहीं है!
बस, मैं इतना जानती हूं कि रोबो मेरा बॉस है! क्योंकि मुझे जेल में बार-बार इस बात की याद दिलाई जाती रही थी!
एक एक्सीडेंट ने तेरी याददाश्त छीनी थी, मम्मी!
शायद उतना ही तेज आघात तेरी याददाश्त को वापस ले आए!
जब तुझे पता हो कि तुझे क्यों मारा जा रहा है तब तुझे मारने में ज्यादा मजा आएगा!
मम्मी सिर्फ एक बात जानती है!
अगर कोई मुझे मारेगा...
... तो मैं उसे मारूंगी! ताकि लड़ाई खत्म हो और शांति कायम हो!
मम्मी को शांति पसन्द है! कब्र जैसी शान्ति!
हम तुझे वहीं पर पहुंचाने जा रहे हैं!
फिर तुझे हमेशा के लिए शान्ति मिल जाएगी!
आऽऽऽह! मुकाबला आसान नहीं है! ये घातक वार कर रही है!
ऋषि, जलज! यहां से जाओ!
पर, मम्मी!
मां! मम्मी?
जाओ!
जाओ!

यार, ये मम्मियां हम बच्चों की कुछ ज्यादा ही फिक्र करती हैं! मैं उस ममी से आराम से निपट सकता था!
मैं भी। पर मम्मियों की बात माननी भी पड़ती है न!
तुझे तो आदत है। पर मुझे नहीं है। क्योंकि मुझे डांटने के लिए मम्मी कभी मेरे पास थी ही नहीं!
मैं वापस जाऊं?
नहीं! अब मम्मियों की बात मानने की आदत डाल!
और छुपने की जगह ढूंढ। तुझे तो यहां के चप्पे-चप्पे की नॉलेज होगी!
ये तो समस्या हो गई! अब मैं बच्चों के पीछे जाऊं या ममी की लड़ाई खत्म होने का इंतजार करूं!
फिलहाल तो बच्चों का पीछा ही करना होगा! ममी का मुकाबला मामूली योद्धाओं से नहीं है! उस लड़ाई को खत्म होने में समय लगेगा!
रहस्यों की पर्त और मोटी हो रही थी-
बच्चे भाग रहे हैं! या जलज ऋषि को लेकर कहीं जा रहा है?
उधर न तो ग्रैंडमास्टर का सेक्शन है और न ही कोई कमरा!
ये भाग रहे हैं! और ग्रैंडमास्टर के डायरेक्ट ऑर्डर हैं! शूट एट साइट!
पर ये बच्चे हैं! इनके पैरों पर गोली मारूंगा!
बच्चों के लिए दूसरी किस्म की गोलियां आती हैं!
तुम!

खट्टी-मीठी या चटपटी!
खाई हैं कभी?
मुझे रोबो के इस ऑर्डर के बारे में पता नहीं था! अब तो बच्चों के साथ ही रहना पड़ेगा!
और ममी से ये रहस्य जानने का इंतजार करना होगा कि उसने जलती और खाई में गिरती कार से नताशा को बाहर क्यों निकाला!
और वह भी अपनी जान पर खेलकर! पर श्वेता को छोड़ दिया! क्यों?
पता नहीं ममी को वह हादसा याद भी है या नहीं! पर मैंने ये रहस्य जानने के लिए एक साल इंतजार किया है!
ममी, रोबो के आदेश पर चलती है। यही सोच कर मैंने रोबो को ज्वाइन किया ताकि शायद यहां पर इस रहस्य पर से पर्दा उठ सके!
पर न जाने मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि अब हर रहस्य पर से पर्दा उठने का समय आ गया है!
रहस्यों की पर्त खोलने की चाबी, ममी के दिमाग में बंद थी-
और ममी का दिमाग खुद भी बन्द था-
ममी पर वार करना अपने हाथ-पैरों को तकलीफ देना है!

क्योंकि ममी को दर्द नहीं होता !
ये सचमुच दर्द की हदों के पार जा चुकी है नताशा !
पर हम ये लड़ाई हार नहीं सकते रिचा ! हम जीतेंगे ऽऽऽ
इसकी फुर्ती एकाएक कहां गायब हो गई ?
यही मौका है। इसे खत्म कर दो नताशा !

आज ये नहीं बचेगी !
जलज ने एक बढ़िया जगह ढूंढ निकाली थी-
यार, क्या मम्मी इसे सचमुच मार डालेंगी ?
मम्मियों का कुछ पता नहीं !
मैंने लड़ाई के इस अंत की उम्मीद नहीं की थी !
ममी मर गई तो गड़बड़ हो जाएगी! सारे रहस्य इसी के साथ दफन हो जाएंगे!
मुझे इस अंत को बदलना होगा !
सौ फीट की दूरी से लगाया गया निशाना-
भी एकदम सटीक था-
तड़ाक
ये कौन ?
मेरा ही कोई आदमी होगा !
रोबो !
पापा !
नाना जी !
इस दुष्ट को नाना मत बोल !
तो क्या तेरी तरह हां हां बोलूं !
माइंड इट! ये तेरे नाना ही हैं! समझा?
36

तुमको इसे मारना है न! लो! ये ब्लास्टर लो! उड़ा दो इसके चिथड़े!
क्या बात है, पापा?
अपने ही मोहरे को क्यों मरवाना चाहते हैं? वह भी मुझसे?
जरूर कुछ 'कैच' है!
है तो!
जब मम्मी जल गई थी और इसकी खाल गल रही थी तो इसके गले में पड़ी सोने की चेन भी इसकी खाल में धंसकर इसके शरीर का हिस्सा बन गई थी! डॉक्टर भी उसको अलग नहीं कर पाए!
ये कहानी आप मुझे क्यों सुना रहे हैं! उस चेन से भला आपका या मेरा क्या वास्ता पापा?
वह चेन मैंने अपनी बेटी को गिफ्ट करी थी नताशा!
और उसने चेन मम्मी को गिफ्ट में दे दी!
मैं पॉमी को अगर कभी गिफ्ट देती तो वह उसकी खोपड़ी में गोली होती! गले में चेन नहीं!
फिर भी! चेन तो देख लो! शायद तुम्हें कुछ याद आ जाए!
ओ माई गॉडsss!

श्वेता! ये... ये चेन तो मैंने श्वेता को दी थी!
यानी ममी... श्वेता है!
श्वेता मरी नहीं है!
नहीं! मरने वाली पॉमी हरिकेन थी!
...पर उस वक्त तो वह सड़क सुनसान थी! दूर-दूर तक कोई नहीं था! फिर आपको कैसे पता चला कि जलने वाली पॉमी नहीं, श्वेता है?
इसे पहचानती हो?
ये तो डॉक्टर तक नहीं बता पाए थे, क्योंकि चेहरा भी बुरी तरह से झुलस गया था!
मेरा मोबाइल!
जिससे मैंने पुलिस को फोन मिलाया था!
एग्जैक्टली! और तुमने फोन ऑफ नहीं किया था! तुम्हारे फोन के ऑटोमेटिक वॉयस रिकॉर्डर ने सारी आवाजें टेप कर ली थीं!
ये फोन मेरे आदमियों को घाटी में एक पत्थर के ऊपर गिरा हुआ मिला था! इसमें पूरी कहानी टेप है! सुनो कि तुम्हारे बेहोश होने के बाद क्या हुआ था!
MAIN MENU
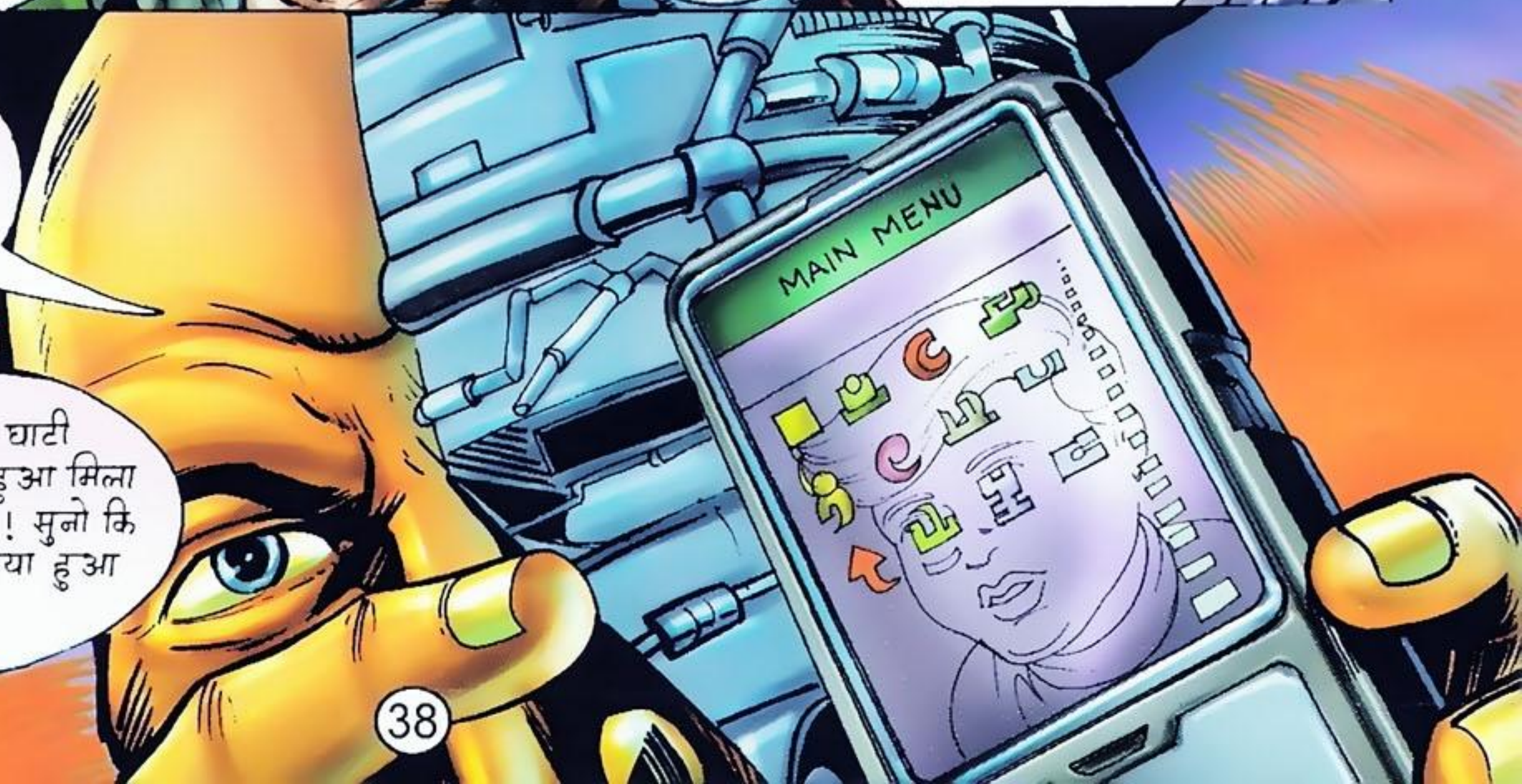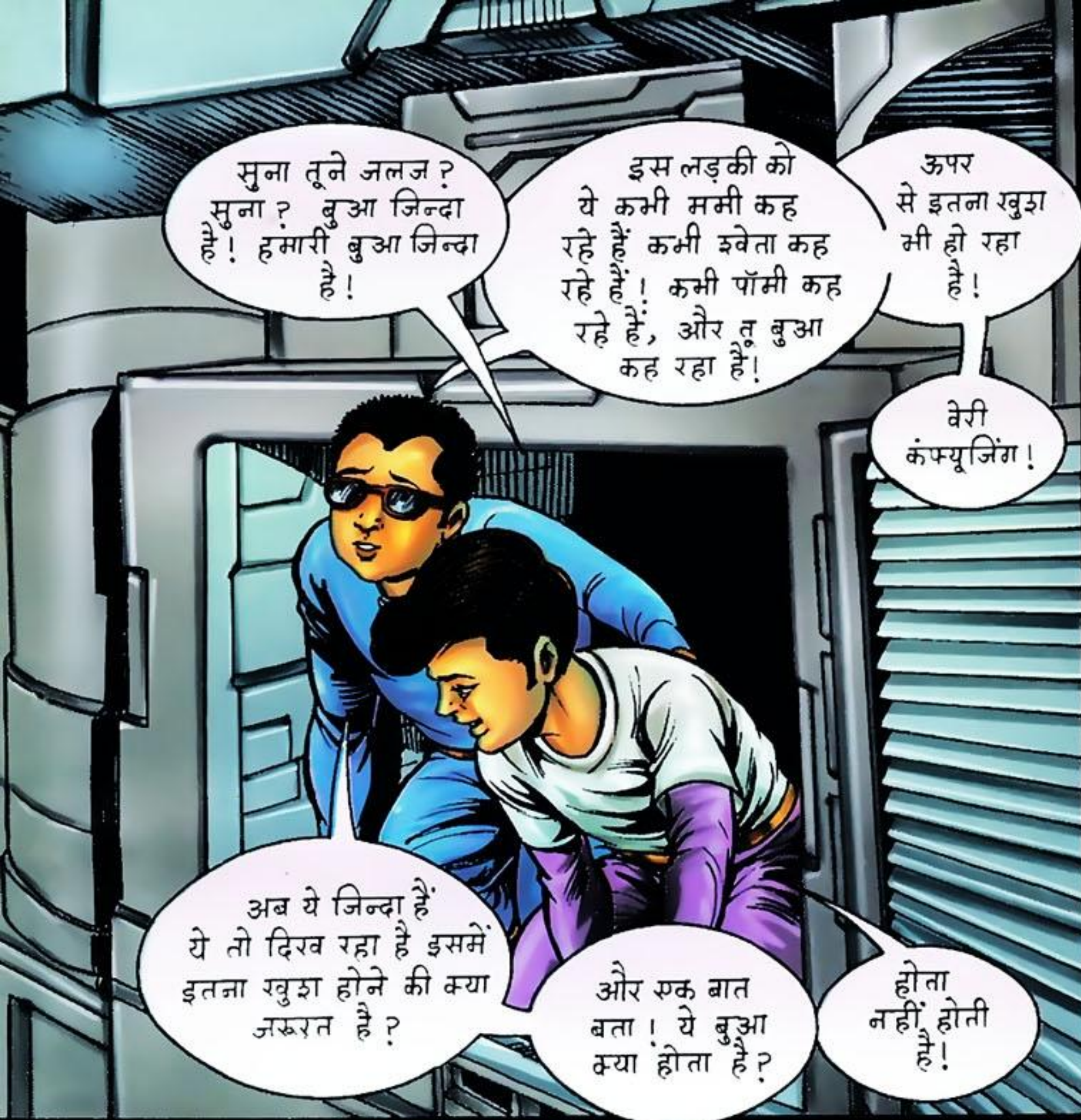
सुना तूने जलज? सुना? बुआ जिन्दा है! हमारी बुआ जिन्दा है!
इस लड़की को ये कभी मम्मी कह रहे हैं कभी श्वेता कह रहे हैं! कभी पॉमी कह रहे हैं, और तू बुआ कह रहा है!
ऊपर से इतना खुश भी हो रहा है!
वेरी कंफ्यूजिंग!
अब ये जिन्दा हैं ये तो दिख रहा है इसमें इतना खुश होने की क्या जरूरत है?
और एक बात बता! ये बुआ क्या होता है?
होता नहीं होती है!
पापा की बहन को बुआ कहते हैं!
ये पापा की बहन है! यानी... यानी ये तो कमाल है! हमारा पूरा खानदान यहां पर इकट्ठा हो रहा है! वेरी कंफ्यूजिंग!
चुप रह! सुनने दे 'हां हां' क्या कह रहे हैं!
तेरा मतलब नाना!
नताशा और ब्लैक कैट खुश हो रही हैं! पर इनको इसका आभास कतई नहीं है कि स्थिति और गंभीर हो गई है!
श्वेता अगर पिछले एक साल से मम्मी थी तो रोबो ये टकराव हारने से पहले ही जीत चुका है!
वह रहस्यमय शख्स उस बात को पहले से जानता था-
जो नताशा अभी जानने वाली थी-
यू आर रियली ग्रेट, डैड!
ए ग्रेट विलेन!
आप पहले ही जानते थे कि जिसकी हम बरसी मना रहे हैं वह मरने के बाद नहीं जली बल्कि जलने के बाद भी जिन्दा है!
मुझे भी यह बात बाद में पता चली! वैसे मैं तुम्हें बताने ही वाला था...
आप और क्या-क्या बताने वाले थे?
आप तो कई बातें बताना भूल चुके हैं!
जैसे कि जलज... मेरा बेटा है!
ये... ये तू क्या कह रही है?
जलज मेरा बेटा है!
मैं ये बात अब जान चुकी हूं!
और आप इस बात को हमेशा से जानते थे!

ये तुम क्या कह रही हो?
किसने ये बकवास तुम्हारे दिमाग में भरी है?
मैं तुम्हारा बाप हूं! क्या तुम समझती हो कि मैं जान-बूझकर ऐसा काम करूंगा!
आपने डी. एन. ए. टेस्ट का नाम सुना है?
अब तो मुझे भी लगता है कि मुझे भी ये टेस्ट करवाना चाहिए! ये देखने के लिए कि मैं आपकी ही बेटी हूं भी या नहीं?
तू मेरी बेटी है!
और इसीलिए मैंने ये सब किया!
मुझे ध्रुव से तेरी दोस्ती पर हमेशा से एतराज था!
जिस दिन तूने ध्रुव से शादी की थी, उस दिन मैं खून के आंसू रोया था!
तूने सिर्फ मेरा दिल ही नहीं मेरा सब-कुछ तोड़कर रख दिया था!
उस दिन तूने मुझे अपनी मां की याद दिला दी थी!
पर मैंने वो आंसू पी लिए! हिम्मत नहीं हारी मैंने! बल्कि मैंने अपनी बेटी को वापस लाने की कसम खाई!
मैंने अपनी असली भावनाओं को छिपा लिया! और ऐसा दिखाया जैसे कि मैंने तेरे शादी के फैसले को मान लिया है! पर मेरा मकसद तेरे पास रहकर तुझे वापस पाना था!
डेढ़ साल तक मैं तेरे बदलने का इंतजार करता रहा! लेकिन फिर मुझे पता चला कि तू मां बनने वाली है! ध्रुव के बच्चे को जन्म देने वाली है! तब मेरा सब्र टूट गया!
बच्चा एक ऐसा मजबूत जोड़ होता है जो शादी के बंधन को कभी टूटने नहीं देता! तलाक हो जाए तो भी बांधे रखता है!
वह बच्चा मेरे रास्ते का कांटा था! मैंने बहुत कोशिश की वह बच्चा गर्भ में ही मर जाए, पर हर बार नाकामयाब रहा! और तू मेरे प्रयासों को नेचुरल हादसे समझती रही! और फिर... वह दिन आ ही गया!

और मेरे सब्र का बांध टूट गया! वह बच्चा जो पैदा होने वाला था, तुमको हमेशा के लिए ध्रुव से बांधने वाला था और मुझसे हमेशा के लिए दूर करने वाला था!
नहीं मिलता तो आप मेरे बच्चे को मार देते!
मैंने इस बंधन को तोड़ने का निर्णय ले लिया! किस्मत से मुझे मेरे प्लान को पूरा करने के लिए एक मरा हुआ नवजात शिशु भी मिल गया!
पता नहीं!
तुम बेहोशी की हालत में थी और ध्रुव के परिवार के सदस्य अभी तक अस्पताल पहुंचे नहीं थे!
मैंने तुम्हारा बच्चा, मरे बच्चे से बदल दिया।
और ये सोचकर उसको जिन्दा रखा कि उससे मैं वो करवाऊंगा जो मैं ध्रुव से नहीं करवा पाया! मैं उसको अपना नौकर और एक हत्यारा बनाने वाला था!
उसका नाम भी मैंने ही रखा जलज!
पर ये चाल मेरे काम नहीं आई! क्योंकि न जाने कैसे तुम्हारी बगल में रखा मेरा बच्चा जिन्दा हो गया!
ये रहस्य मेरी समझ में आज तक नहीं आया!
लेकिन फिर भी मैं जानता था कि मेरे हाथों में तुम्हारी नकेल आ चुकी है!
तुम्हारा बच्चा... ध्रुव का बच्चा अब मेरे आदेश का गुलाम है!
इसीलिए बेहतर यही है कि मेरा कहा मान लो! मेरा साथ दो! और दुनियां पर राज करो!
या अपनी आंखों से अपने बच्चे को अपनी कनपटी पर गोली मारते देखो!
मेरे आदेश पर वह तो क्या मेरा हर आदमी ऐसा ही करेगा!
फिलहाल तो गन मेरे हाथ में है!
और एक कनपटी भी मेरे सामने है!
एक ऐसे आदमी की कनपटी जो एक मां को अपने बच्चे से जुदा करने में एक सेकंड भी नहीं हिचकता!

जो अपनी बेटी को अपने बेस्ट फ्रेंड की बरसी मनाते देखता है पर उसको यह सच नहीं बताता कि वह जिन्दा है और जीते जी एक नर्क भोग रही है!
वह ये भी जानता है कि उसकी बेटी का बच्चा, उसकी बेटी की संतान नहीं है! लेकिन वह एक ऐसा नाटक करता है और बरसों तक करता है, जैसे कि उस बच्चे में उसकी जान बसती हो!
लेकिन इतना ही नहीं वह आदमी और नीचे गिर जाता है और अपने ही नाती, अपने ही खून के उसके मासूम हाथों को खून से रंगने की ट्रेनिंग देता है!
ऐसे आदमी की खोपड़ी में दो छेद तो होने ही चाहिए!
कोशिश करो!
कोशिश नहीं, पूरा काम करूंगी! बस, आपने मुझे खाली गन न दी हो!
गन फुल चार्जड है!
रोबो गन खाली कभी नहीं रखता! ट्रिगर दबाओ!
श्वेता! गन मुझे दो श्वेता!
गन श्वेता के पास नहीं मेरे पास है!
और मेरा नाम ममी है!
तुम श्वेता हो! ममी नहीं हो! तुम जिन्दा हो और मेरी बेस्ट फ्रेंड हो!
होश में आओ श्वेता! होश में आओ!
ये होश में कभी नहीं आएगी। रोबो के हर आदमी की तरह!
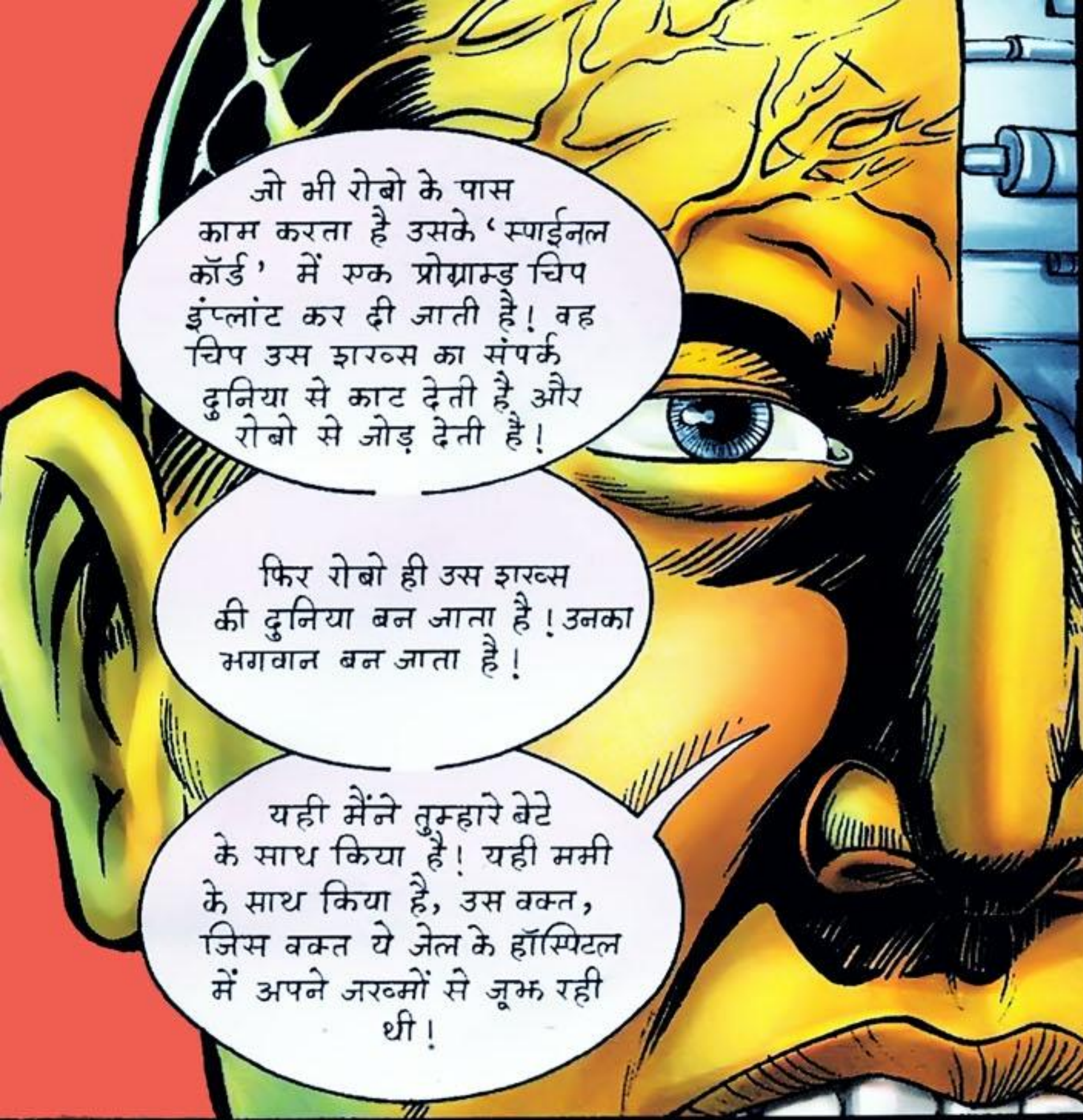
जो भी रोबो के पास काम करता है उसके 'स्पाईनल कॉर्ड' में एक प्रोग्राम्ड चिप इंप्लांट कर दी जाती है! वह चिप उस शख्स का संपर्क दुनिया से काट देती है और रोबो से जोड़ देती है!
फिर रोबो ही उस शख्स की दुनिया बन जाता है! उनका भगवान बन जाता है!
यही मैंने तुम्हारे बेटे के साथ किया है! यही ममी के साथ किया है, उस वक्त, जिस वक्त ये जेल के हॉस्पिटल में अपने जख्मों से जूझ रही थी!
और यही मैं एक दिन ध्रुव के साथ करूंगा!
गेम इज ओवर, नताशा!
रोबो की तरफ आ जाओ!
अभी मेरे शरीर में तुम्हारी चिप फिट नहीं हुई है रोबो!
वही तो करनी है। अब तक मैंने खून के रिश्तों पर भरोसा करके धोखा ही खाया है!
प्यार के रिश्ते बनाते तो धोखा नहीं खाते!
ममी!
शूट योर सेल्फ!
अब तेरे प्यार के रिश्ते में ज्यादा ताकत है तो रोक ले इसे!
नो!
क कड़ड़ड़
श्वेता!
ममी!

ग्रैंडमास्टर का हुक्म पूरा होगा!
गन अभी भी चार्जड है!
ओ.के.! तुम जीते रोबो!
अब तुम क्या चाहते हो?
ये देखना कि ये चिप्स तुम्हारे 'स्पाईनल कॉर्ड्स' की साइज की हैं या नहीं!
श्वेता के लिए मैं कुछ भी करूंगी!
देखते हैं कि प्यार की ताकत जीतती है या तकनीक की ताकत!
काश, मैं इस बार भी इन चिप्स को वैसे ही बदल पाता जैसे कि मैंने तब रोबो की चिप को अपनी चिप से बदला या जब मेरे स्पाईनल कॉर्ड में चिप फिट की जा रही थी!
पर नताशा ने सही कहा है! जीतेगी प्यार की ताकत!
क्योंकि वह ताकत मेरे साथ है और मैं उस ताकत के साथ!
जाओ और नताशा के बच्चे ऋषि को ढूंढो! अब तक जलज ने उसकी हड्डियां तोड़ डाली होंगी!
लेकिन तुमने अब तक ये नहीं बताया कि श्वेता ममी कैसे बनी?
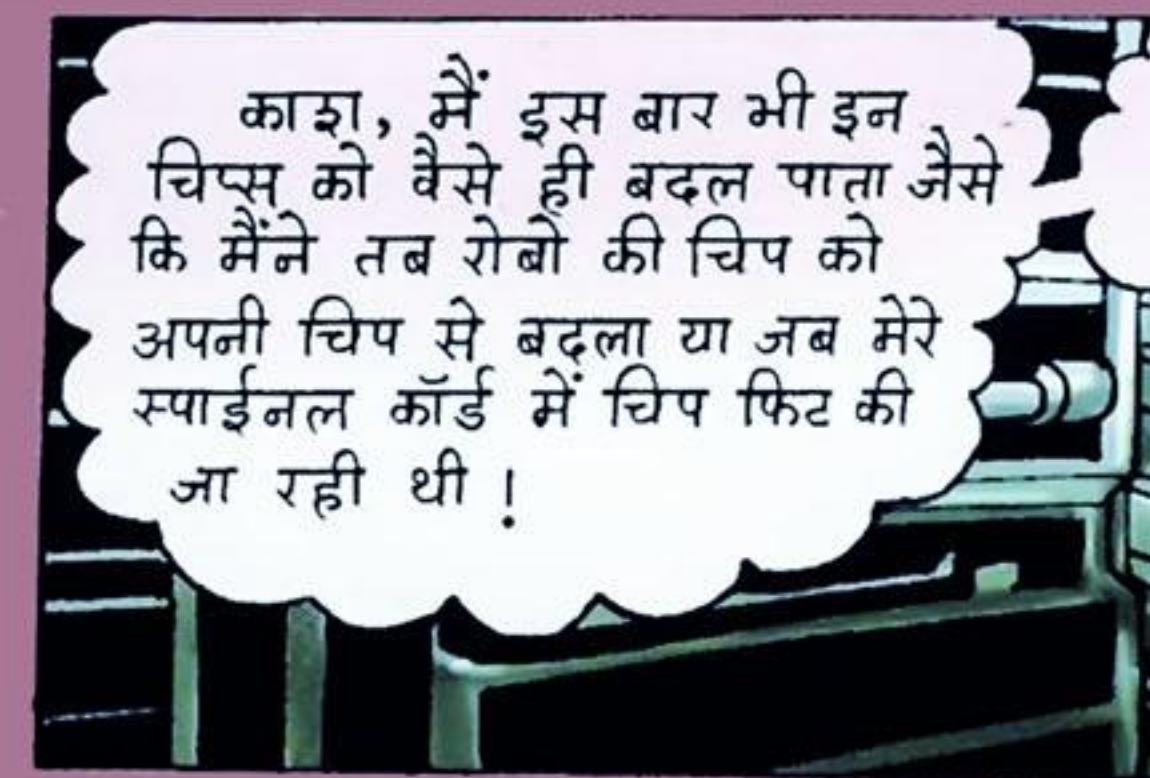
जवाब इसमें आवाज बनकर कैद हो गया है!
सुनो!
वहां से, जहां पर नताशा बेहोश हो गई थी!
PLAY
आवाज इलेक्ट्रॉनिक थी-
लेकिन नताशा की आंखों के आगे खिंच रही तस्वीर उसको एकदम असली लग रही थी-
पॉमी! तूने अपनी मौत को आवाज दी है!
फिलहाल तो तेरी मौत मैं हूं। चुपचाप गाड़ी चला! वर्ना तेरी भाभी को हमेशा के लिए सुला दूंगी, श्वेता!
अभी ले!
ऐ ऐ! पागल हो गई है क्या? जेल से मैं भाग रही हूं या तू?
स्पीड कम कर!
तुझे जल्दी से जल्दी कानून की गिरफ्त से दूर जाना है न?
स्पीड कम कर!
चीईईईईईई
ये ले! मैंने गाड़ी रोक दी!
और अब रुकेगी तेरी नबज!
पिस्तौल अभी भी मेरे हाथ में है! और इसका निशाना अभी भी नताशा है!

अब गाड़ी में चलाऊंगी!
नीचे उतर!
अब अपनी ड्रेस उतार और मेरी जेल की यूनीफॉर्म पहन!
तू चाहती क्या है?
ये!
इप्पाक
आऽऽऽह!
पेट्रोल!
बाय, श्वेता!
हैव ए नाइस बर्निंग!
अब पुलिस आती होगी। और उनको यहां पर मिलेगी जेल से भागी पॉमी हरिकेन की जली हुई बॉडी। जिसको सिर्फ उसके कपड़ों से पहचाना जा सकेगा!
डैम! डैम! डैम इट!
मैं जानती हूं कि श्वेता बड़ी आसानी से पॉमी से निपट सकती थी!
पर उसने ऐसा नहीं किया! सिर्फ मेरी जान बचाने के लिए! तूने ये क्यों किया, श्वेता? क्यों किया तूने ऐसा?
पर कहानी अभी खत्म नहीं हुई थी-
व्हाट द हेल! ये लड़की श्वेता बहुत ढीठ है! आग से घिरने के बावजूद ये कार का पीछा कर रही है!
अच्छा ही है! जितनी तेज भागेगी, उतनी ही लपटें तेज होंगी!
और ये उतनी ही जल्दी जलेगी!

ओ माई गॉड! इसने तो एक सूखी टहनी को तोड़कर जलता हुआ भाला बना लिया है!
और ये टायर को निशाना बना रही है!
ओ, नो!
PLAM
भड़ाक!
कट!
मैं समझ गई! जलती हुई टहनी टायर को जलाती हुई अंदर घुसी होगी! टायर बर्स्ट हुआ होगा और कार आउट ऑफ कंट्रोल होकर खाई में गिर गई होगी!
श्वेता ने मुझे जलती कार से बाहर निकाला होगा!
और फिर वह उस दिशा में गई होगी जहां से पुलिस कार आने वाली थी!
जिसको मैंने कार के साथ खाई में गिरते देखा था, वह पॉमी थी, श्वेता नहीं!
मैंने भी यही देखा होगा!
पर अब तो नताशा और ब्लैक कैट को भी बचाना होगा और यह काम एक ही तरीके से किया जा सकता है!
रोबो के कंट्रोल सेंटर में घुसकर उन चिप्स की प्रोग्रामिंग को बदलना पड़ेगा, जो श्वेता और रोबो के दूसरे आदमियों को उसका गुलाम बनाए हुए हैं!
पर ये काम असंभव है! मुझे इस असंभव को संभव बनाने के लिए जान पर खेलना होगा!
एक मिनट, रोबो! पॉमी को जेल से तो तुमने भगवाया था! पर क्यों?
ऐसे हादसे पैदा करने के लिए जो तुम्हारी कोख में पल रहे ध्रुव के दूसरे बच्चे को कोख में ही मार दें!

कांग्रेचुलेशंस, डैड! आप इस काम में सफल रहे!
आपने मेरे पहले बच्चे को मुझसे दूर कर दिया। दूसरे को कोख में ही मार दिया! और साथ ही साथ मेरी कोख को भी मार दिया!
अब बदला लेने का अधिकार मेरा नहीं है!
उसका है जिसको आपने मां से दूर रखा!
जिसके भाई को आपने पैदा होने से पहले ही मार डाला!
अब कंस के लिए कृष्ण आएगा!
कृष्ण कौन है?
है नहीं, हैं बोल! भगवान हैं!
अभी किसी कृष्ण को भी आना है?
अब तो मां-मम्मियों को बचाना ही पड़ेगा!
इंपासिबिल! एक बार चिप इनके अंदर फिट हो गई तो फिनिश!
उसके बाद वे हमारी नहीं, रोबो की बात सुनेंगी!
अब कोई रास्ता नहीं है!
है न!
जरा सोच! चिप तो तेरे अंदर भी फिट है!
फिर तू इस वक्त रोबो के बजाय मेरे साथ क्यों है?
प्वाइंट, यार!
क्यों हूं?
ये तो मुझे भी सोचना पड़ेगा!
एक जगह गुत्थी सुलझाने के लिए दिमाग की जरूरत थी-

पर दूसरी जगह पर बिल्कुल नहीं थी-
आऽऽऽह!
ये लीजिए पिताश्री! ये है आपका अपराधी जो इस वक्त आपके दंड का इंतजार कर रहा है!
कौन है रे तू यति?
और तू अलंध्या में कैसे घुसा?
अभी मैं ये रहस्य किसी पर खोलना नहीं चाहता कि यति मेरे साथ हैं! इसीलिए मैं सवाल भी सोच-समझकर ही करूंगा!
लंबी कहानी है जी! आप बोर हो जाएंगे!
पंचम अध्याय
दहन
समझदार यति है! बिल्कुल सही गोल-गोल जवाब दे रहा है!
तू अलंध्या में तोड़-फोड़ क्यों मचा रहा था?
यति भी पागल होते हैं क्या?
या ये पहला ऐसा केस है?
तू आखिर चाहता क्या है?
क्या आप मेरा इंटरव्यू ले रहे हैं?
अलंध्या न्यूज चैनेल के लिए?

मैं आपकी अलंध्या का मेन कंट्रोल सेंटर ढूंढ़कर उसको नष्ट करना चाहता था!
उसे ढूंढ़ने के चक्कर में इतनी तोड़-फोड़ करनी पड़ी!
सही बिल्डिंग पता होती तो सिर्फ उसे तोड़ता!
आप बताएंगे वह सेंटर किस इमारत में है?
मन तो कर रहा है कि इसका सीना फाड़कर इसका दिल निकाल लूं और कच्चा चबा जाऊं!
पर यतियों से अभी दोस्ती का नाटक बरकरार रखना पड़ेगा!
अलंध्या में ऐसा कोई कंट्रोल सेंटर नहीं है!
अरे! ये यति तो पागल लगता है! इसको अलंध्या से बाहर निकालो!
जो आज्ञा!
जान छूटी!
ठहरो!
थैंक्यू जी!
कौन है?
ये यति रहस्यमय है! इसका अलंध्या में घुसना रहस्यमय है! इसके जवाब रहस्यमय हैं!
ये पागल हो या न हो पर इसका यहां से जिन्दा वापस जाना अलंध्या के लिए खतरनाक होगा!
भीरूपाशा!
इसको मौत मिलनी चाहिए! और वह भी ऐसी जो दूसरों के लिए एक सबक हो!
भीरूपाशा ठीक कह रहे हैं सम्राट!
इनका जिन्दा रहना हमको कमजोर सिद्ध करेगा!
इसको दंड मिलना ही चाहिए!
शाबाश, भीरूपाशा!
अब इसका दंड भी सुना दो!
अलंध्या में घुसपैठियों के लिए एक ही दंड है!
दहन दंड!

अरे! अरे! मैं तो समझा कि आपने मुझे चाय कॉफी के लिए रोका है!
मैंने अलंध्या में आते ही सबसे पहले आपको गिराया था! आप जरूर उसी बात का बदला ले रहे हैं!
पर आप तो मुझे ही सुलगाने का प्रोग्राम बना रहे हैं!
पर यति मां की कसम, वह आपकी गलती थी! आप मुझ पर पैर रखने आ रहे थे!
देखा! देखा आप लोगों ने? इसकी कई करतूतें तो हमें पता ही नहीं हैं!
मैं तो समझ रहा था कि मैं केले के छिलके पर फिसला था!
इसे तो दहन दंड मिलना ही चाहिए!
मुझे मारना चाहते हो तो मार दो! पर मुझे जहर दे दो, फांसी पर लटका दो! अरे चाहो तो मेरी गर्दन काट लो, पर मुझे जलाना मत!
मेरा फेस खराब हो जाएगा! मैं सुन्दर-सुन्दर ही मरना चाहता हूं! प्लीज, प्लीज, प्लीज!
तू डर रहा है? अच्छा है!
तुझे वही मौत मिलेगी, जो तुझे खौफनाक लगे! दहन मृत्यु!
इंतजाम करो!
भीरूपाशा एकाएक इतना बड़ा राजनीतिज्ञ कैसे बन गया?
ये मुझे कमजोर करना चाहता है! ये समझ गया है कि यतियों से मेरा कुछ न कुछ संबंध जरूर है!
एक यति का अलंध्या में मृत्युदंड पाना पूरी यति जाति को मेरे खिलाफ कर देगा!
इस भीरूपाशा को पहला मौका मिलते ही अलंध्या से बाहर कर देना होगा!
कुछ ही देर में इंतजाम पूरा हो चुका था-
ऐ... ऐ भाईऽऽऽ कुछ तो रहम करो! अगली बार फोन करके आऊंगा!
एक मौका तो दो!

आदेश दीजिए सम्राट क्रूरपाशा!
'फ्लेमिंग रॉड्स' में करेंट दौड़ाओ और भस्म कर दो यति को!
एक दिन तेरा भी यही हाल करूंगा, भीरूपाशा!
'फ्लेमिंग रॉड्स' में करेंट का प्रवाह होने लगा-'
5000V
और उसकी तीव्रता बढ़ने लगी-
7000V
10,000V
कुछ गड़बड़ है, सम्राट!
ये यति तो 10,000 वोल्ट के करेंट पर भी नहीं जल रहा है!
यतियों में अद्भुत शक्तियां होती हैं! करेंट को और बढ़ाओ!
पर... पर सम्राट ऐसा करने से हमारे पूरे 'पॉवर जेनरेटिंग सिस्टम' पर जोर पड़ेगा और अलंध्या अंधेरे में डूब जाएगी!
अलंध्या वासियों को अंधेरा प्रिय है!
करंट बढ़ाओ!
अब करेंट का प्रवाह बढ़ता जा रहा था-
100,000V
और इसका रिजल्ट भी नजर आने लगा था-
उई! उई!
चिंगारियां दिखने लगी थीं-
उई उई!
जल्दी ही चिंगारियां, शोलों में बदल गईं-
अरे, जला डाला रे!
और शोले लपटों में-
मैं गर्म हो रहा हूं! और मास्टर जी कहते थे कि गर्मी पाकर चीजें बढ़ती हैं!

मैं भी तो एक चीज हूं !
मैं भी फैलूंगा क्या ?
जिंगालू का शरीर जलाने के लिए जैसे- जैसे ऊर्जा की मात्रा बढ़ रही थी -
5,00,000
वैसे- वैसे अलंध्या के एक- एक हिस्से अंधेरे में डूबते जा रहे थे -
ओऽऽऽ ! मैं... मैं फूल रहा हूं !
मेरे अंदर गर्म हवा भर रही है...
... मैं... मैं फूल रहा हूं !
ये तो विशालकाय हो रहा है ! ऐसे तो ये पूरी अलंध्या को ढक लेगा !

ये यति है या शैतान! अब ये और कितना फूलेगा?
मैं और नहीं फूल सकता!
अब तो मैं...
...फट जाऊंगा!
देखा!
खत्म हो गया न, शैतान!
मैं भी तेरे लिए यही कहना चाहता हूं। पर क्या करूं, तू भी तो मेरी तरह अमर है!
यति के मरने पर शायद पूरी अलंध्या में जश्न मनाया जा रहा है!
लोग घरों में मशालें जला रहे हैं!

सम्राट! सम्राट! उस यति के चिथड़े उड़ गए!
ये तो हम भी जानते हैं, मूर्ख!
अब अलंध्या के चिथड़े उड़ने वाले हैं!
क्या बक रहा है। यति के चिथड़ों से हमारे चिथड़ों का क्या संबंध है?
वे चिथड़े नहीं हैं सम्राट!
वे छोटे-छोटे जलते हुए असंख्य यति हैं!
और वे पूरी अलंध्या में आग लगा रहे हैं!
" पूरी अलंध्या भस्म हो रही है, सम्राट! आपने यति को नहीं, बल्कि अलंध्या को 'दहन दंड' दे डाला है-"
" ये सब भीरूपाशा के कारण हुआ है! अलंध्या का दहन उसके आदेश का नतीजा है। भीरूपाशा को बंदीगृह में डाल दिया जाए-"
ही ही हा हा हा! थैंक्यू भीरूपाशा! अब जहां चाहे, वहां पर चाय बना लो!
अपना तो काम हो गया! अब कंट्रोल सेंटर कहीं पर भी हो, जलेगा जरूर! और अगर नहीं है तो भी अलंध्या की ताकत तो कम हो ही गई है।
तेरा काम खत्म हुआ जिंगालू!
अब चल नागराज के पास और अलंध्या पर अटैक-फटैक का प्लान बना!

मुझे निर्वासित करके और क्रूरपाशा का साथ देकर तुम सब अपनी मौत को बुला रहे हो!
ब्लैक पॉवर्स इतने युगों तक इसलिए सोई रहीं क्योंकि त्रेता में इसी शक्ति के धारक रावण ने भी एक गलत निर्णय लिया था!
और उस निर्णय के कारण श्वेत शक्तियों को ब्लैक पॉवर्स पर हावी होने का मौका मिल गया था!
और सच्चाई जानना चाहते हो तो सुनो!
वह यति जो अलंध्या जला गया है, वह क्रूरपाशा का ही एक मोहरा है!
यति जाति इस वक्त ब्लैक पॉवर्स के साथ है!
इसीलिए निर्वासित करना है तो क्रूरपाशा को करो, मुझे नहीं!
भीरूपाशा एकाएक इतना समझदार कैसे हो गया? ये तो नगीना की भाषा बोल रहा है! इसने तो एक ही झटके में सभी ब्लैक पॉवर्स को मेरे खिलाफ कर दिया है!
गुरूदेव, आप भी? मैं...मैं तो ऐसा...
क्रूरपाशा की तरफ से मैं आरोपों के जवाब देना चाहता हूं!
कौन हो तुम?
आपका सेवक सम्राट!
इजाजत दें तो मैं कुछ बोलूं!
इसे तो मैं पहचानता नहीं!
ये कौन है? कहीं भीरूपाशा की ये नई चाल तो नहीं है?
पर ये मेरा और क्या बिगाड़ेगा!
भीरूपाशा के आरोपों का जवाब दो क्रूरपाशा! ये गंभीर आरोप हैं! क्या यतियों से सचमुच तुम्हारी कोई गुप्त संधि है!
जिसके कारण वह यति खुले आम अलंध्या में आया और इसे जलाकर चला गया!
ओफ्! क्या बोलूं, कुछ सूझ ही नहीं रहा है!
बोलो!
ये सच है कि सम्राट की यतियों से गुप्त संधि है!
यति, सम्राट के इशारे पर ही चलते हैं!
मार डाला इसने!
पर वो यति...

... यति नहीं था!
हैं!
जो बात मुझे भी नहीं पता, वह इसे कैसे पता है! या... ये मुझे बचाने के लिए झूठ बोल रहा है!
ये बात तुम कैसे कह सकते हो?
क्योंकि अलंध्या में कुछ स्थानों पर खास 'एनालाइजर कैमरे' लगे हैं जो किसी भी प्राणी के सही रूप का चित्र खींचते हैं! आयामी रूप का नहीं!
ये हम जानते हैं!
और उन कैमरों ने यति के जो चित्र खींचे हैं, वे ये हैं!
ओऽऽऽऽ ये तो... ये तो...
ये एक यति नहीं है! और अब ये स्पष्ट है कि ये एक षड्यंत्र था और भीरूपाशा किसी न किसी रूप में इस षड्यंत्र से जुड़े हैं!
इनको अलंध्या में रहने का कोई हक नहीं है!
इसी पल अलंध्या से निकल जाओ, भीरूपाशा! और सिर छुपाने के लिए ऐसी जगह ढूंढो, जहां पर ब्लैक पॉवर्स का राज न हो!
तुम कौन हो, अजनबी?
हम अलंध्या का हित करने के लिए तुमको मुंह-मांगा इनाम देना चाहते हैं! मांगो!
अलंध्या का हित ही मेरा इनाम है सम्राट!
और वह मुझे मिल चुका है!
अब मुझे भी आज्ञा दें!
ये अजनबी था कौन?
यही सवाल भीरूपाशा के दिमाग में भी घूम रहा था-
वह अजनबी कौन था?
या सच कहें तो-

नगीना के दिमाग में-
मैंने क्रूरपाशा से हारने का और मरने का नाटक करके तंत्र रूप लिया ही इसीलिए था ताकि मैं इस भीरूपाशा के शरीर और दिमाग पर कब्जा करके इसको अपना घर बना लूं और अलंध्या में ही रह सकूं!
और उस रूप में मैंने देखा था कि यति का जिक्र आते ही क्रूरपाशा एकदम से दयालु हो जाता था!
स्पष्ट था कि उसका यतियों से गुप्त संबंध है!
और यही सोचकर मैंने ये चाल खेली थी!
पर इस चाल ने तो मुझे ही अलंध्या से भी बाहर कर दिया और इस खेल से भी!
पता नहीं उस दुष्ट अजनबी की मुझसे क्या दुश्मनी है!
दुश्मनी नहीं, दोस्ती कहो!
तुम? तुम यहां पर क्या कर रहे हो? और तुमने मेरे... मतलब भीरूपाशा के दिमाग में सोची गई बातें कैसे सुन लीं?
दोस्त दिल की बातें सुनते हैं! जबान की नहीं!
दोस्त किसी को घर से बेघर नहीं करते!
मैंने जो किया, तुम्हारे भले के लिए किया!
भला? अभी तो हमारे पास सिर छुपाने तक की जगह नहीं है!
पूरी दुनिया के देश क्रूरपाशा के सामने घुटने टेक चुके हैं!
एक जगह है! वहीं पर जाओ! नागराज के पास!
तू सचमुच हमारा दुश्मन है!
ध्यान से सुनो! नागराज़ की शरण में जाओ! उसको क्रूरपाशा के राज बताओ! और उसके हाथों क्रूरपाशा का अंत करके अलंध्या के राजा और रानी बन जाओ!
क्रूरपाशा के ऐसे कोई राज मुझे नहीं पता...
वो तुम्हें मैं बताऊंगा!
यह अजनबी-

पूरी अलंध्या के लिए रहस्य बनता जा रहा था-
नहीं, क्रूरपाशा!
ये तस्वीरें नकली हैं!
उसने ये सुबूत इसलिए बनाए ताकि तुम भीरूपाशा को अलंध्या से निकाल सको!
और फिर वह अजनबी कहां गायब हो गया, कालछिद्र! यह मेरी शक्तियां तक पता नहीं लगा पाईं!
सबसे आश्चर्य की बात तो ये है कि उसने उस यति को मुझसे पहले पहचान लिया! हालांकि तस्वीरें देखने के बाद ये बात कोई भी बता सकता था!
ये सही है कि वह यति, यति नहीं था!
पर एनालाइजर कैमरे भी उसकी असली तस्वीर नहीं पकड़ पाए थे!
कमाल है! कौन था वह मेरा मददगार! आप तो उसे जानते ही होंगे!
यही तो चिन्ता का विषय है, क्रूरपाशा! मैं भी नहीं जानता कि वह प्राणी कौन था और तुम्हारी मदद करने के पीछे उसका क्या मकसद था! और ये बात मुझे चिन्ता में डाल रही है!
पर एक बात स्पष्ट है!
वह शख्स कोई गहरा खेल, खेल रहा है! बहुत गहरा!

जिंगालू का रहस्य कईयों के सामने तो खुल चुका था-
पर कई लोगों के सामने यह रहस्य खुलना अभी बाकी था-
मैं हलाहल कुंड में गिरा था, ये तो मुझे याद है! पर... मैं इसमें गिरा कैसे? और... और मैं हूं कौन? मुझे कुछ याद नहीं आ रहा है?
अब मैं कहां जाऊं? किस दिशा में जाऊं? मुझे अपने जैसा दिखने वाले दूसरे प्राणी खोजने होंगे!
वही बता सकते हैं कि मैं कौन हूं?
षष्ठम अध्याय
आयाम अलंघ्या
ये... ये आवाज़ कैसी है जो मेरे दिमाग में गूंज रही है!
स्वामी!
स्वामी!
ये! ये किसकी आवाज है? ऐसा लगता है जैसे ये मुझे ही पुकार रही हो!
ये आवाज, ये पुकार ही मेरी दिशा है! मेरी मंजिल है!
मैं आ रहा हूं!
मैं आ रहा हूं!
स्वामी!

साधना तोड़िए रानी यति!
महायति महाराज जिंगालू दुश्मन का घमंड चूर करके वापस आ गए हैं!
महाराज आ गए?
इतनी जल्दी! पर उनकी पुकार तो जैसे कई मील दूर से आ रही थी!
ऐसा जरूर अलग आयाम के कारण हो रहा होगा!
चलो! कहां हैं महायति! मैं तुरंत उनसे मिलना चाहती हूं!
कहां हैं?
कहां हैं महायति, जिंगालू?
आपको थोड़ा सा इंतजार करना होगा, रानी यति!
महाराज अभी नागराज को अपनी अलंघ्या यात्रा का विवरण सुना रहे हैं!
ठीक है। हम भी उनसे आराम से मिलना चाहते हैं!
अंदर-
ये... ये क्या कह रहे हो, यतिराज? नगीना मर गई!
हां, नागराज! पर मरते-मरते वह तो सीन ही बदल गई!
वह बोली कि वह विसर्पी की मां है!
क्या? नगीना और विसर्पी की मां!
असंभव!
पता नहीं!
पर उसने यही कहा था!
यकीन नहीं होता कि नगीना विसर्पी की मां है और वह मर चुकी है!
वह आसानी से मरने वालों में नहीं है!
खैर! फिर क्या हुआ?
फिर भीरूपाशा और क्रूरपाशा लड़ पड़े! मौका पाकर मैंने भाभी... अरे... विसर्पी भाभी से कहा कि चलो मेरे साथ! पर उन्होंने मुझे उठाकर उन दोनों के बीच में फेंक दिया! बोलीं, तभी जाऊंगी जब नागराज ले जाएगा!

बस फिर मैं वहां से भागा, लेकिन युवराज विषांक ने मुझे पकड़ लिया। और फिर जब वे मुझे जलाने की कोशिश करने लगे तो मैंने अलंध्या ही जला डाली!
और वापस आ गया!
मुझे तो इस यति की बातें समझ में नहीं आ रही हैं!
एकाएक न जाने कहां से आ गया! और फिर अजीबो-गरीब बातें बता रहा है!
जैसे नगीना मर गई! वह विसर्पी की मां है! और भीरूपाशा और क्रूरपाशा लड़ रहे हैं!
ऐसा लग रहा है जैसे कि ये कोई फिल्मी कहानी सुना रहा है!
पता नहीं ये अलंध्या गया था, भी या नहीं!
या तन की!
हैं! ये तो...
सच्चाई अभी सामने आ जाएगी!
साकार-आकार एक तिलिस्म है!...
... जीता-जागता तिलिस्म!
और इसके अंदर फंसने के बाद सिर्फ सच्चाई ही नजर आती है! चाहे वह मन की सच्चाई हो!
शशश!
चुप रहो! नागराज को मत बताना कि मैं नागू हूं!

क्यों ? मैं जानती हूं कि तू नागराज का अहित कभी नहीं करेगा ! ये भी जान गई हूं कि तू सच बोल रहा है ! पर नागराज को क्यों न बताऊं ?
और तुझे विषांक या नागराज तक नहीं पहचान पाए ! क्यों ?
नागराज को सच्चाई पता चली तो वह यतियों से इस बात को कभी नहीं छुपाएगा। नतीजा क्या होगा ?
यति, नागराज का साथ छोड़कर फिर से इसके दुश्मन बन जाएंगे !
अभी हमको यति सेना की आवश्यकता है !
और रही पहचानने की बात तो हम मणिधारी सर्प हैं ! और मणि शक्ति हमको एक अद्भुत इच्छा शक्ति देती है !
नागजाति विषांक का आदेश मानने के लिए विवश हो सकती है ! पर हम नहीं !
हम अगर नहीं चाहें तो हमारा असली रूप कोई नहीं देख सकता ! तुम भी नहीं !
बस, अभी मैं तिलिस्मी शक्ति के लिए तैयार नहीं था ! इसीलिए मात खा गया !
तिलिस्मी शक्ति तुम्हारी सोच से कहीं ज्यादा बड़ी है, बच्चे !
पर यति सेना की जरूरत वाली बात सही है ! नागराज को मैं कुछ नहीं बताऊंगी !
ये दोनों क्या कर रहे हैं !
न तो कुछ दिख रहा है और न ही सुनाई पड़ रहा है ! अरे क्या हुआ, साकार आकार ?
कुछ नहीं ! मैं यतिराज की अच्छी तरह से जांच कर रही थी ! ये जो कह रहे हैं, वह सत्य है !
मैं जानती हूं !
ये कभी असत्य नहीं बोलते !
मेरे स्वामी सत्य बोलते हैं और सत्य की राह पर ही चलते हैं !
अब आइए स्वामी ! बहुत इंतजार कर लिया मैंने ! अब जरा अपने सुख-दुःख की बातें भी कर लें !
क्यों ?
क...क्यों नहीं रानी यति !
क्यों नहीं, चलो !
ठहरो !

तुम ? यहां पर ?
ये यहां पर कैसे ?
तुम्हारी ये हिम्मत ?
ठहरो ! बात आश्चर्यजनक जरूर है ! लेकिन फिर भी इस आगमन का मतलब हम तुम्हारे मुंह से ही सुनना चाहेंगे...
...भीरूपाशा !
क्रूरपाशा अब हद से आगे बढ़ गया है ! वह पूरी सृष्टि को ब्लैक पॉवर्स के रंग में रंगकर निरंकुश राज करना चाहता है !
जबकि राज तो मैं भी करना चाहता हूं, लेकिन निरंकुशता के साथ नहीं ! मैं चाहता हूं कि हर शक्ति अपने-अपने क्षेत्र में शांति से रहे और युद्ध का माहौल समाप्त हो !
मैं क्रूरपाशा का अंत चाहता हूं नागराज !
पर मैं तुम्हारा यकीन क्यों करूं ?
क्योंकि अब जो मैं तुमको बताऊंगा वह तुम भी नहीं जानते !
तुम भी यही चाहते हो !
और इसमें हम एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं !
हुम ! मुझे याद है जब मैं पहली बार क्रूरपाशा से मिला था, तब भी तुम उससे डरकर भाग रहे थे !
तुम जिसको जिंगालू समझ रहे हो, वह जिंगालू नहीं है ! बल्कि तुम्हारे दुश्मन विषांक का मोहरा है !...

ये नागू है! एक सर्प! और हम जानते हैं कि सारे इच्छाधारी सर्प नागद्वीप के शासक के आदेश पर चलते हैं!
और इस वक्त वह शासक विषांक है! क्रूरपाशा का पुत्र और अब अलंध्या का युवराज!
?
ही ही ही!
यहां आते वक्त में देख चुका था कि नागराज को कैसे अंधेरे में रखा जा रहा था!
?
राज खुल चुका था-
अब यति सेना किसी भी पल नागराज का साथ छोड़ सकती थी-
बल्कि नागराज के विरुद्ध भी हो सकती थी-
लड़ाई शुरू होने से पहले ही खत्म होती लग रही थी-

क्या तुम हमको यही बताने के लिए यहां पर आए हो ?
मैं तो क्रूरपाशा के खिलाफ तुम्हारी मदद के लिए आया हूं ताकि क्रूरपाशा के बाद मैं अलंध्या की गद्दी पर बैठ सकूं और ब्लैक पॉवर्स, श्वेत शक्तियों के साथ शांतिपूर्वक ब्रह्मांड में रहें !
तुमने हमको जो कुछ बताया वह हम यतिराज जिंगालू के मुंह से पहले ही सुन चुके हैं कि कैसे तुम्हारी और क्रूरपाशा की लड़ाई हुई, कैसे नगीना मरी और कैसे अलंध्या जली !
लेकिन फिर भी इस बात से यह स्पष्ट हो गया कि यतिराज हमको कुछ भी बताना भूले नहीं हैं !
तुमने तो हमारी चिन्ता दूर कर दी !
ये क्या हो रहा है ? मैं कुछ और बोल रहा हूं और ये कुछ और ही सुन रहे हैं ! ये क्या चक्कर है ?
मुझे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है !
पर जो भी हो, गलत सुनने के बाद भी तुम इनके विश्वास पात्र बन रहे हो ! फायदा उठाओ !
ये कमाल मैंने किया है गधों !
ये राज खोलकर तुम नागराज के विश्वासपात्र बनते या नहीं, पर यति सेना जरूर नागराज का साथ छोड़ देती ! शायद उसे नुकसान भी पहुंचाती ! फिर क्रूरपाशा को कौन मारता ?
मैंने भीरूपाशा के 'इमोशनल-स्तर' की जांच की है, नागराज ! और उसके हिसाब से ये जो कुछ भी बोल रहा है वह सच है !
ये सचमुच क्रूरपाशा से त्रस्त है !
इसने जो बोला, सच बोला !
पर, कुछ ऐसा भी है जो इसने नहीं बोला !
वह क्या है साकार आकार ?

यह अकेला नहीं आया है। इसके साथ नगीना भी आई है! तंत्र रूप में!
तुम लोग उसे नहीं देख सकते! पर मेरे तिलिस्म से ये छुप नहीं सकती!
क्या ये सच है, भीरूपाशा?
नगीना जीवित है और वह तंत्र रूप में तुम्हारे साथ है?
सच है नागराज! पर नगीना का संपर्क इस ब्रह्मांड से कट चुका है। न ये ब्रह्मांड उसे कोई नुकसान पहुंचा सकता है और न ही वह इस ब्रह्मांड को!
और यह भी सच है कि मुझ डरपोक को नगीना ने ही वह हिम्मत दी है कि मैं क्रूरपाशा के खिलाफ खड़ा हो सकूं!
ये सब मामूली मसले हैं! इनसे हम वर्षों से निपटते आए हैं और आगे भी निपटते रहेंगे! फिलहाल तो ब्लैक पॉवर्स के इस बढ़ते साए को रोकना है!
और विसर्पी को वापस लाना है!
और यह काम एक ही तरीके से किया जा सकता है!
अलंध्या पहुंचकर और ब्लैक पॉवर्स को धूल में मिलाकर!
हमको अलंध्या पहुंचने का रास्ता बताओ!
अलंध्या एक दूसरे आयाम में है! और वहा पर सिर्फ या तो ब्लैक पॉवर्स प्रवेश कर सकते हैं या फिर नागशक्ति!
और किसी को वहां पर जाना हो तो क्रूरपाशा की अनुमति लेनी होती है!
फिर जिंगालू अलंध्या में कैसे घुस पाया?
ऐसी कोई बात जरूर है जो मुझे नहीं पता है!
सोचने की जरूरत नहीं है नागराज! मैं पहुंचाऊंगी तुमको अलंध्या के आयाम में!

तुम ? तुम हम सबको इस आयाम से कैसे पार ले जा पाओगी ? तुम न तो नागशक्ति धारक हो और न ही ब्लैक पॉवर्स से युक्त हो !
मैं एक तिलिस्म हूं नागराज ! और तिलिस्म आयामों को बनाता है, उनके नियम बनाता है, उनके नियमों को नहीं मानता !
ये पूरा ब्रह्मांड एक तिलिस्म है, नागराज ! और तिलिस्म के हर रास्ते से साकार- आकार अच्छी तरह से परिचित है !
मैं आयाम का द्वार खोलूंगी और अगले ही पल तुम लोग अपने आपको अलंध्या के छोर पर पाओगे !
लेकिन अलंध्या कोई आम आयाम नहीं है ! इस ब्रह्मांड में 95 प्रतिशत एनर्जी, ब्लैक एनर्जी है और अलंध्या इस वक्त उस एनर्जी का केन्द्र है !
आयामों की दूरी मापना तो इस रूप में मेरे लिए सचमुच एक खेल से ज्यादा कुछ नहीं है !
पता नहीं मैं इस महा भीषण ऊर्जा के बहाव को ...

...सहन कर भी पाऊंगी या नहीं!
पर विसर्पी को अगर नागराज से मिलाना है तो जान पर खेलना ही होगा!
ओफ्! ये...ये क्या हो रहा है! मैं... मैं ब्लैक पॉवर का प्रवाह थाम नहीं पा रही हूं!
आ! आह! आsss ह!
आऽऽऽह
साकार-आकार!

साकार-आकार !
आऽऽऽह !
तुम ठीक तो हो न, साकार-आकार ?
मैं तुमको अलंध्या नहीं पहुंचा पाई नागराज! मैं तुमको विसर्पी से नहीं मिला पाई !
विसर्पी से नहीं मिला पाई? ये शब्द तो भारती के हैं!
मुझे शुरू से ही शक था कि तुम भारती हो! पर तुमने ऐसा क्यों किया? क्यों किया, भारती ?
तुमने अपनी जान दांव पर क्यों लगाई? वह भी इस तरह से!
भारती तो उसी पल मर गई थी जिस पल भारती नाम के शरीर से नागराज नाम की आत्मा अलग हुई थी!
अब इस शरीर को ऐसे ही रखो या साकार-आकार बना दो, उससे क्या फर्क पड़ता है।
पर... पर अभी मेरा काम खत्म नहीं हुआ है। इसलिए मैं मरूंगी नहीं! मैं... मैं... अह!
भारती !
भारती !

बस बहुत हो गया ! पहले विसर्पी और अब भारती ! अब क्रूरपाशा मुझसे छुपा नहीं रह सकता !
अगर ये आयाम मुझे क्रूरपाशा तक पहुंचने से रोक रहा है...
... तो मैं मिटा डालूंगा 'आयाम' नाम की चीज को !
अब मैं अलंध्या तक नहीं जाऊंगा बल्कि अलंध्या मेरे पास आएगी !
ये... ये क्या कर रहे हो, नागराज ?
ब्लैक पॉवर्स खिंचने लगीं-
और साथ में अलंध्या हिलने लगी-
तेरे अंदर वही ब्लैक पॉवर है जो पूरी अलंध्या में व्याप्त है ! अब तू बनेगा वह चैनेल, वह सुरंग, जिसके जरिए मैं अलंध्या को उस आयाम से इस आयाम में खींच लूंगा !
और फिर इस ब्रह्मांड में या तो ब्लैक पॉवर रहेगी, या फिर श्वेत शक्तियां !
आऽऽऽह ! आऽऽऽऽह !
ये क्या हो रहा है ? अभी एक तिलिस्म ने अलंध्या आयाम में घुसने की चेष्टा की थी !

और अब पूरी अलंध्या खिंच रही है!
पर कहां?
और क्यों?
नागराज! इस वक्त वह श्वेत शक्तियों का केन्द्र बन गया है! किसी कारण से उसकी इच्छा शक्ति इतनी प्रबल हो गई है कि वह अलंध्या और धरती के आयाम को एक करने में सफल हो रहा है!
लेकिन ऐसा होने से हमारा नुकसान है! हमको श्वेत शक्तियों से लड़ना तो है पर अपनी मर्जी की जगह पर! यहां पर! ताकि हम उन पर हावी हो सकें!
इस अनहोनी को रोकना ही होगा!
अनहोनी तो सचमुच घट रही थी! और वह भी किसी एक जगह पर नहीं, बल्कि पूरी पृथ्वी पर-
जगह-जगह से दोनों आयाम आपस में मिल रहे थे-
और इस स्थिति से सिर्फ मानव ही नहीं, और लोग भी चिन्तित हो उठे थे-
रुक जाओ नागराज!
शांत करो अपने क्रोध को!
तुम विधाता के नियमों को चुनौती दे रहे हो!
और यह सृष्टि के अस्तित्व के लिए विनाशकारी सिद्ध हो रहा है!
आप कौन हैं?
मुझे तुम देवायाम कह सकते हो! ब्रह्मांड के सभी आयामों को संभाले रखने की जिम्मेदारी मुझ पर है!
आयाम खत्म हो गए तो सृष्टि खत्म हो जाएगी!
फिर मैं क्या करूं? कैसे पहुंचूं मैं अलंध्या?
जवाब तुम्हारे अंदर छुपा हुआ है!

उसे ढूंढ़ो!
कोशिश करूंगा देवायाम!
उम्मीद है कि नागराज मान गया होगा! उसे मानना ही होगा!
क्योंकि इस महाविराट युद्ध को अलंध्या की भूमि पर ही लड़ा जाना अत्यंत आवश्यक है!
शुरुआती पैंतरों का दौर खत्म हो चुका था-
अब निर्णायक चालें चली जा रही थीं-
ये रहस्यमय प्राणी कौन था, बाबा?
इतना तो मैं जानता हूं कि ये कोई देव नहीं था!
मैं भी नहीं जानता कि ये कौन था!
पर अब वक्त आ गया है कि तुम देव सेना के साथ इस युद्ध में कूद पड़ो!
यहां की स्थिति संभालने के लिए तुम्हारे 'ब्लैक-टर्मिनेटर्स' ही काफी हैं!
पर तुम्हारे आयाम द्वार तुमको वहां नहीं पहुंचा सकते! कोई नया रास्ता ढूंढ़ना होगा!
अलंध्या की राह, हर कोई तलाश रहा था-
मैं समझ गया नागराज! वह शक्ति सचमुच तुम्हारे अंदर ही है!
हां ध्रुव! मैं उस शक्ति को पहचान गया हूं! रास्ता तो सचमुच मेरे एकदम सामने है!
चाहे यह रास्ता आसान न हो, पर असंभव भी नहीं है!
एक असंभव रास्ता मेरे भी सामने है, नागराज!
बस, उसमें घुसने का रास्ता ढूंढ़ना है!
और वह भी जिन्दा!
और वह तुम ढूंढ़ ही लोगे! ठीक है दोस्त!
अब अलंध्या में मुलाकात होगी!
गाथा जारी है- समर काण्ड में!

प्यारे नागराज प्रेमियों!

**जनून!**

नागायण का छठा भाग **'रण काण्ड'** लेकर आपकी अदालत में प्रस्तुत हुआ हूं। **'दहन काण्ड'** ने नागायण की सफलता के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। **नागायण सीरीज** आपको पसंद आ रही है इस अहसास से मैं बहुत उत्साह में हूं। मुझे विश्वास है कि **'रण काण्ड'** भी अपना तिलिस्म बरकरार रखेगी। **नागायण सीरीज** में निरंतर होती जा रही देरी के कारण नागायण प्रशंसकों ने बहुत परेशानियां उठाई हैं किंतु **'रण काण्ड'** का अगला भाग, नागायण का सातवां खण्ड **'समर काण्ड'** अगले सैट में ही प्रकाशित किया जा रहा है अब यह सीरीज अपने समापन की ओर है। **'समर काण्ड'** के पश्चात **'इति काण्ड'** को इस सीरीज में जोड़ना इस महागाथा की वृहदता की आवश्यकता थी। **'समर काण्ड'** में किसी भी हालत में इस सीरीज का समापन संभव नहीं था। यदि जल्दबाजी की जाती तो वो इस शानदार सीरीज की मृत्यु होती। **'इति काण्ड'** 128 पेज का स्पेशल एवम् अंतिम अंक होगा। जिसे शीघ्रातिशीघ्र आप तक पहुंचाने का हमारा प्रयास रहेगा। आशा है कि आपको **'जंग मौत तक'** पसंद आई होगी। आज दिनांक 18.09.08 को जब मैं यह ग्रीन पेज लिख रहा हूं यह कॉमिक अभी रिलीज नहीं हुई है। इस बार का सैट बहुत डिले होता चला गया। कारण रहा पेपर शॉर्टेज। सैट में हुई इस देरी को धीरे-धीरे व्यवस्थित कर लिया जाएगा। इटली सीरीज का थर्ड पार्ट **'नागराज अण्डर अरैस्ट'** आपको दिसम्बर में मिलेगा।

**'डोगा हिंदू है'** आपको बेहद पसंद आई। इसका दूसरा पार्ट **'अपना भाई डोगा'** में डोगा ब्लडमैन की चालों में बुरी तरह फंस चुका है। पूरी मुम्बई ही दंगों की चपेट में आती जा रही है और इन दंगों का गुनहगार बनाया गया है डोगा को! तो क्या डोगा इन दंगों को रोक पाएगा? या डोगा खुद भी इन दंगों की चपेट में आकर मारा जाएगा। आप देखेंगे इस कॉमिक के तीसरे भाग **'डोगा हाय हाय'** में जो कि दिसम्बर 2008 को प्रकाशित होगी।

कोबी भेड़िया की **अमर प्रेम सीरीज** दिन पर दिन लोकप्रिय होती जा रही है। **'प्रेमबला'** को सभी प्रशंसकों ने पसंद किया। **'प्रेम नाखून'** के रिव्यूस अभी बाकी हैं और इसका अगला भाग **'प्रेम हिरण'** आगामी सैट में ही प्रकाशित होने जा रहा है। पराक्षी के रूप में आई निशाचरी सशक्त जंगलवासियों का खून पी पीकर इतनी ताकतवर हो जाएगी कि उसके नुकीले दांत कोबी और भेड़िया को भी बेध डालेंगे और दूसरी तरफ उसका सुकन्या का रूप बेध डालेगा जेन के अमर प्रेम को।

**परमात्मा सीरीज** परमाणु के प्रशंसकों की प्रशंसा की हकदार बनी हुई है। आशा है **'अब क्या करेगा परमाणु'** सभी को पसंद आएगी। **'परमात्मा'** इस सीरीज का अंतिम भाग आगामी सैट में ही प्रकाशित होगा। **'अब क्या करेगा परमाणु'** को नए चित्रकार हेमंत ने बनाया है उनका यह पहला आर्टवर्क उतना खूबसूरत नहीं बन पाया है किंतु **'परमात्मा'** के आर्टवर्क में हेमंत ने गजब का सुधार किया है।

इंस्पेक्टर स्टील की **'मेड इन इंडिया'** इसी सैट में प्रकाशित हो रही है आशा है स्टील के प्रशंसकों का मन जरूर मोह लेगी। हमारी पूरी कोशिश रहेगी कि इसका दूसरा व अंतिम भाग **'स्टील का आदमी'** आगामी सैट में ही प्रकाशित हो। नहीं तो उसे दिसम्बर के सैट में अवश्य प्रकाशित कर दिया जाएगा।

**थ्रिल हॉरर सस्पेंस सीरीज** की **'लुक छुप जाना'** की अपार सफलता के पश्चात उसका अगला भाग **'धप्पा'** के प्रकाशन में देरी हो गई और उसके रिव्यू अभी हमें नहीं मिल पाए हैं। मुझे विश्वास है **'धप्पा'** अपने प्रशंसक समुदाय में बढोतरी अवश्य करेगी। इसी सैट में इस सीरीज की नई कॉमिक है **'आत्मा निवास'**। **'आत्मा निवास'** इस सीरीज को सफलता की नई ऊंचाईयों पर ले जाएगी। **'आत्मा निवास'** एक ऐसा निवास जिसमें हजारों आत्माएं वास करती हैं। जो भी इसे छेड़ देता है उसके पीछे लग जाती हैं आत्माएं और किसी को पता भी नहीं चल पाता कि आखिर आत्मा निवास है क्या?

प्यारे दोस्तों **राज कॉमिक्स वेबसाइट** पर **राज चित्र कथा** व **राज किड्स कॉमिक्स** लगाई गई हैं जिन्हें आप फ्री पढ़ सकते हैं। अब जल्दी ही **राज कॉमिक्स** आपके लिए एक बिल्कुल नई **'E-COMICS'** ले कर आने वाली है जो सिर्फ **राज कॉमिक्स वेबसाइट** पर ही लगाई जाएगी और वो भी बिल्कुल मुफ्त। बस आपको **राज कॉमिक्स वेबसाइट** पर जाना होगा और आपको इस कॉमिक्स का रोज एक नया पेज पढ़ने को मिलेगा। तो देर ना कीजिए वेबसाइट पर जाकर चैक कीजिए। **राज कॉमिक्स वेबसाइट** पर नए कॉमिक्स के प्रिव्यू भी लगाए जा रहे हैं जो कि आपको अवश्य ही पसंद आएंगे।

अब विदा लेता हूं जल्दी ही फिर मिलूंगा कुछ नई जनूनी योजनाओं के साथ।

**जनून!**

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : **ग्रीन पेज नं. ..., राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84**

**Forum** पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

धन्यवाद आपका-संजय गुप्ता

दो दिलों के बीच जब आया पहला प्यार...
तब हो गया...
LALIT SINGH, GOVIND RAM
अमर प्रेम
प्रेम हिरण

राज कॉमिक्स में तंत्र और तलवार के धनी महाबली भोकाल की जन्मगाथा
'भोकाल शक्ति' का जन्मदाता...
कर्तव्य सर्वप्रथम
प्रथम भोकाल
तलवार से लिखी एक "परी कथा"

मुम्बई के बाप की आज हो रही है हाय हाय...
हर कोई चीख रहा है...
डोगा हाय हाय
डोगा जिदाबाद
LALIT JAGDISH PRESS

किसके दूध का कर्ज उतारुंगा...
हो चुका है मेरा धर्म युद्ध...
...आरम्भ
राज कॉमिक्स में दो माताओं की कोख से जन्मे दैत्य पुत्र योद्धा की रोमांचक जीवन गाथा...

आतंकहर्ता नागराज
World Terrorism
नागराज अण्डर अरैस्ट
PART-3
ADVENTURE CONTINUED IN ITALY